mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-84 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
27 मार्च 2026 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

लश्कर-ए-तैयबा मॉड्यूल पर सीआईके ने की कश्मीर भर में 10 ठिकानों पर छापेमारी

श्रीनगर,एजेंसी। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने गुरुवार को कश्मीर भर में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल की चल रही जांच के तहत की गई।

एक अधिकारी ने बताया कि तीन जिलों में 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया जा रहा है, जिनमें से छह गांदरबल में, तीन शोपियां में और एक श्रीनगर में है। उन्होंने बताया कि यह जांच लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के कश्मीरी मूल निवासी शब्बीर अहमद लोन के निर्देशित आतंकी मॉड्यूल से संबंधित है, जो वर्तमान में बांग्लादेश में है।

अधिकारियों ने बताया कि गांदरबल जिले के कंगन इलाके का निवासी लोन विदेश से काम कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि इस मामले का संबंध एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से है और मॉड्यूल को बांग्लादेश और पाकिस्तान में स्थित एलईटी संचालकों से निर्देश मिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह तलाशी सक्षम न्यायालय से जारी तलाशी वारंट के आधार पर की जा रही है, जो हाल ही में पुलिस स्टेशन सीआईके में दर्ज एक नए आतंकी मामले की जांच से संबंधित है।

बंगाल-SIR की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट में 13 लाख नाम कटे

अब तक 76 लाख वोटर लिस्ट से बाहर, 28 लाख नामों पर फैसला बाकी

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट में 13 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। इसके साथ ही राज्य में कुल हटाए गए वोटरों की संख्या करीब 76 लाख हो गई है। चुनाव आयोग के एक अधिकारी के मुताबिक, 'अंडर एडजुडिकेशन' में रखे गए करीब 60 लाख वोटरों में से 32 लाख नाम की चांज हो चुकी है। इनमें करीब 40% वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। वहीं, अभी भी करीब 28 लाख मामले पेंडिंग हैं, जिन पर फैसला होना बाकी है। इन मामलों की सुनवाई राज्य में तैनात 705 न्यायिक अधिकारी कर रहे हैं। स्ढ्क्र के एन्यूमरेशन फेज के दौरान दिसंबर में 58 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे कुल मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.08 करोड़ रह गई थी।

इसके बाद 28 फरवरी को जारी वोटर लिस्ट में यह संख्या घटकर 7,04,59,284 (करीब 7.04 करोड़) रह गई। इस लिस्ट में 60 लाख से ज्यादा नाम अंडर एडजुडिकेशन रखे गए थे। अंडर एडजुडिकेशन में उन वोटरों को रखा गया था, जिनके दस्तावेज या पात्रता पर संदेह था।

चुनाव आयोग ने सोमवार देर रात अंडर एडजुडिकेशन वोटर्स की पहली सप्लीमेंट्री लिस्ट जारी की थी। जिसमें करीब 10 लाख नाम वेबसाइट पर अपलोड किए गए।

ट्रम्प बोलेः ईरान ने सुप्रीम लीडर बनने का प्रस्ताव दिया,मैंने ठुकरा दिया

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि उन्हें ईरान का सुप्रीम लीडर बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन उन्होंने इस पद को ठुकरा दिया क्योंकि उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।

ट्रम्प ने गुरुवार को एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका इस युद्ध में बढ़त बना रहा है और ईरान पर दबाव बढ़ता जा रहा है। ईरान समझौता करना चाहता है लेकिन उसके नेता लोगों के डर से खुलकर सामने नहीं आ रहे।

हालांकि, ईरान ने इन सभी दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया है और कहा है कि कोई बातचीत नहीं हो रही।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि अगर अमेरिका-इजराइल ने जमीनी हमला किया तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।अमेरिकी और इजराइली लोगों से कहा कि ट्रम्प-नेतान्याहू के बहकावे में आकर अपने बच्चों को नरक मत भेजो।

ईरान ने भारत को होर्मुज से गुजरने की इजाजत दी :ईरान ने भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान समेत मित्र देशों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत दे दी है।

न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी मुंबई स्थित ईरानी कॉन्सुलेट के हवाले से दी है। कॉन्सुलेट ने बताया कि ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि 'मित्र देशों' को होर्मुज से गुजरने की छूट है।

आंध्र प्रदेश-डंपर से टकराकर बस में आग, 13 जिंदा जले

● 22 घायल; 3 घंटे में आग पर काबू पाया गया, पीएम मोदी ने जताया शोक

मरकापुरम,एजेंसी।आंध्र प्रदेश के मरकापुरम जिले में रायवरम के पास गुरुवार को एक सड़क हादसा हुआ। एक प्राइवेट ट्रैवल बस और डंपर में टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस में आग लग गई। बस में सवार 13 यात्री जिंदा जल गए। हालांकि पहले पुलिस की तरफ से पहले 14 मौतों की जानकारी दी गई थी। बाद में सीएम ऑफिस ने मौत का आंकड़े में आफिशियल कंफर्मेशन दिया। अधिकारियों ने बताया कि हरिकृष्णा ट्रैवल्स की बस तेलंगाना के निर्मल से नेल्लोर जा रही थी। हादसा सुबह 6:00 बजे के करीब हुआ। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया गया।मरकापुरम के स्क्क वी हर्षवर्धन राजू ने कहा, डंपर ड्राइवर समेत 22 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस में 35 यात्री सवार थे। घटना की पूरी जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने लोगों की मौत पर दुख जताया।

PMNRF से आर्थिक मदद का एलानः

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण बस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये व घायलों के लिए 50-50 हजार रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है।

होटल-रेस्टोरेंट बिल में अलग से नहीं जोड़ सकेंगे एलपीजी चार्ज

सरकार बोलीः ऐसा किया तो कार्रवाई होगी, 5% गैस-क्राइसिस चार्ज वसूलने का मामला आया था

नई दिल्ली,एजेंसी। होटल-रेस्टोरेंट ग्राहकों से एलपीजी चार्ज' नहीं ले सकेंगे। केंद्र सरकार ने कहा कि रेस्टोरेंट अपने बिल में खाने की कीमत के अलावा केवल सरकारी टैक्स जोड़ सकेंगे।

एलपीजी संकट के बीच सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कहा कि होटल-रेस्टोरेंट को अपनी सभी इनपुट कॉस्ट को मेन्यू में दी गई कीमतों में ही शामिल करना होगा।अगर कोई रेस्टोरेंट गैस की बढ़ती कीमतों या किसी अन्य ऑपरेशनल खर्च का हवाला देकर बिल में अलग से चार्ज जोड़ता है, तो यह नियमों का उल्लंघन माना जाएगा।

कैफे ने नींबू पानी पर 5% गैस-क्राइसिस चार्ज वसूला था: बेंगलुरु के एक कैफे ने नींबू पानी के बिल पर 5% 'गैस क्राइसिस चार्ज' लगाया था। ग्राहक ने दो मिंट लेमोनेड ऑर्डर किए, जिनकी कुल कीमत 358 रुपए थी।

बांग्लादेश में बस नदी में गिरी:25 की मौत,6 लोगों की जान बचाई

बस को बड़ी नाव पर चढ़ाते समय हुआ हादसा

ढाका,एजेंसी। बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले में हुए बस हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 25 हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब यात्रियों से भरी बस दाउलतदिया घाट पर फेरी (बड़ी नाव) में चढ़ते समय पद्मा नदी में गिर गई।फायर सर्विस के मुताबिक, 23 शव बस के अंदर से निकाले गए, जिनमें 11 महिलाएं, 7 पुरुष और 5 बच्चे शामिल हैं। इसके अलावा 8 लोगों को जिंदा बचाया गया था, लेकिन उनमें से 2 महिलाओं की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। कुछ लोगों की तलाश जारी है।बस में करीब 40 लोग सवार थे। हादसा बुधवार शाम को हुआ। तब सिर्फ 2 लोगों की मौत की खबर आई थी।बांग्लादेश में बसों और गाड़ियों को नदी पार कराने के लिए फेरी का इस्तेमाल होता है। यह एक बड़ी नाव या जहाज जैसा होता है।

कश्मीर में ईरान के लिए 18 करोड़ चंदा जुटाया गया

बड़गाम जिला सबसे आगे, सुरक्षा एजेंसियों को आतंकी फंडिंग में इस्तेमाल की आशंका

श्रीनगर,एजेंसी।कश्मीर घाटी में ईरान के समर्थन में करोड़ों रुपए का चंदा जुटाया गया है। इससे देश की सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। आशंका है कि इन पैसों का इस्तेमाल आतंकी फंडिंग में हो सकता है।सूत्रों के मुताबिक, अब तक 17.91 करोड़ रुपए चंदा जुटाया गया है। इनमें से 85% राशि शिया समुदाय ने दान की है। कश्मीर का बड़गाम शिया बहुल इलाका है। यहां से करीब 9.5 करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। यह फंडरेजिंग अभियान जकात और सदका के जरिए लिया जा रहा है। इसका उद्देश्य मौजूदा संघर्ष से प्रभावित ईरानी नागरिकों की मदद करना बताया गया है।

ईरानी दूतावास ने बैंक

अकाउंट और क्यूआर कोड शेयर किया

सूत्रों के मुताबिक भारत में ईरानी दूतावास ने सीधे पैसे ट्रांसफर करने के लिए एक विशेष बैंक अकाउंट भी खोला है, जिसमें क्व्ह्ल के जरिए भुगतान की सुविधा दी गई है।

केरल सीएम बोले- राहुल में कार्यकर्ता जितनी भी समझ नहीं

हिमंता ने कहाः कांग्रेस की सरकार पाकिस्तान में बनेगी, थरूर बोले- केरल बदलाव चाहता है

नई दिल्ली,एजेंसी।केरल के ष्ट्रू पिनाराई विजयन ने गुरुवार को कहा- राहुल गांधी एक नेशनल लीडर हैं, फिर भी उनमें कांग्रेस के एक आम लोकल वर्कर जितनी बेसिक जानकारी भी नहीं है। वे अपने अनुभव या गलतियों से भी नहीं सीखते। राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस देश में भाजपा की 'बी-टीम' हैं।

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पिनराई के बी टीम वाले बयान को बकवास बताया। थरूर ने कहा- हमें किसी की क्क टीम में कोई दिलचस्पी नहीं है, क्योंकि हम केरल की-टीम हैं। क्व्छ्वक्क और स्नस्न दोनों नहीं चाहते कि कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आए। केरल के लोग बदलाव चाहते हैं। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस की सरकार भारत में तो नहीं, पाकिस्तान में बन सकती है।

शंकराचार्य की गिरफ्तारी पर चार्जशीट दाखिल होने तक रोक:बटुकों से यौन शोषण केस में हाईकोर्ट का फैसला, इंटरव्यू देने पर रोक लगाई

प्रयागराज,एजेंसी। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की जमानत बुधवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंजूर कर ली। कोर्ट ने कहा कि चार्जशीट दाखिल होने तक शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं होगी। यह फैसला हाईकोर्ट के जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने दोपहर बाद 3.45 बजे सुनाया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को जमानत देते हुए शर्तें भी लगाई हैं। सबसे अहम शर्त यह है कि दोनों पक्ष (शंकराचार्य और आशुतोष) मीडिया में बयानबाजी नहीं करेंगे और इंटरव्यू नहीं देंगे। शंकराचार्य के विदेश जाने पर भी रोक है। इसके लिए हाईकोर्ट से अनुमति लेनी होगी। अगर जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है, तो दूसरा पक्ष जमानत कैंसिलेशन अर्जी दे सकता है।

म.प्र. राजस्थान में अगले 4 दिन बारिश का अलर्ट

पंजाब-हरियाणा में भी बारिश की चेतावनी, हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी हो सकती है

नईदिल्ली/भोपाल/जयपुर/शिमला,एजेंसी। राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित पांच राज्यों में एक बार फिर मौसम बदलने वाला है। स्क्क में मार्च महीने में तीसरी बार तेज गर्मी की बजाय बारिश होगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिन आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और सागर में ज्यादा असर रहेगा।

राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से बुधवार दोपहर बाद मौसम में बदलाव हुआ। बीकानेर, जयपुर, अजमेर, जोधपुर संभाग के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए। गुरुवार को भी चार जिलों में बारिश की चेतावनी है।

उधर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी अगले दो दिन तेज बारिश की संभावना है। वहीं, जम्मू-कश्मीर और

हिमाचल प्रदेश में गुरुवार को ऊपरी इलाकों में बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हो सकती है।

महाराष्ट्रः गिरफ्तार बाबा पर 5 नरबलि की आशंका

महिलाओं के अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करता था, 10 साल में 1500 करोड़ का साम्राज्य बनाया

नासिक/मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को 'कैप्टन' और 'कॉस्मोलॉजी एक्सपर्ट' बताने वाला अशोक खरात यौन शोषण, ब्लैकमेलिंग और ठगी के आरोपों में जांच के दायरे में है। जांच में उसके नेटवर्क, संपत्तियों और हाई-प्रोफाइल कनेक्शन सामने आए हैं। पुलिस को 5 नरबलि के संकेत मिले हैं जिनकी पुष्टि के लिए फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। छापेमारी में 100 से ज्यादा संदिग्ध वीडियो, 8 लाख रुपए नकद, एक पिस्टल और बड़ी मात्रा में संपत्ति से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं। पिस्तौल की 5 गोलियां गायब हैं जिससे नरबलि की आशंका और गहरी हुई है। अब तक उसके खिलाफ दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और अंधश्रद्धा विरोधी कानून के तहत 8 केस दर्ज हो चुके हैं।दरअसल, पुलिस ने 67 साल के अशोक खरात को 35 साल की महिला से बार-बार रेप करने और ब्लैकमेल करने के आरोप में 18 मार्च को गिरफ्तार किया था।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप

आरोप है कि खरात 'शुद्धिकरण' और तांत्रिक उपायों के नाम पर महिलाओं को फंसाता था। वह बीमारी, पारिवारिक विवाद या संतान की चाह रखने वालों को निशाना बनाता था। स्पाय कैम से वीडियो बनाकर बाद में ब्लैकमेल करता था।

पूर्व ऑफिस सहायक नीरज जाधव को हिरासत में लिया है। आरोप है कि वह लैपटॉप से फुटेज एक्सेस कर अश्लील क्लिप बनाता था।

अजित पवार की मौत के बाद पार्टी हथियाने की कोशिश

भतीजे रोहित का दावा- प्रफुल्ल पटेल समेत तीन नेताओं ने EC को लेटर लिखा था

मुंबई,एजेंसी। एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार ने दावा किया कि अजित पवार की मौत के बाद प्रफुल्ल पटेल समेत तीन नेताओं ने एनसीपी (अजित पवार) पर कब्जा करने की कोशिश की थी। रोहित पवार ने कहा कि अजित पवार की मौत के 18 दिन बाद, 16 फरवरी को प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और बृजमोहन श्रीवास्तव ने चुनाव आयोग को लेटर भेजा था। लेटर में कहा गया कि पार्टी संविधान में बदलाव किया गया है। अब सभी अधिकार वर्किंग प्रेसिडेंट को दिए जाएं। प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष थे। अजित पवार की मौत के समय वही पार्टी के प्रमुख थे। अजित पवार के भतीजे रोहित ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह बातें कहीं। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संबंधित डाक्यमेंट्स भी दिखाए और मामले की आपराधिक जांच की मांग की।

घबराने की जरूरत नहीं:

भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

करनाल, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को कहा कि जहां एक ओर वैश्विक संघर्ष और भू-राजनीतिक तनाव पेट्रोलियम उत्पादों और गैस की आपूर्ति के लिए संभावित खतरा पैदा करते हैं, वहीं भारत ऐसी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और फिलहाल 'घबराने की कोई जरूरत नहीं है।' पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि ऊर्जा आपूर्ति का मुद्दा सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक बढ़ती हुई अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय है; खासकर कई देशों के बीच चल रहे संघर्षों को देखते हुए, जिनसे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'यह सिर्फ भारत का ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर का भी एक मुद्दा है। एक बड़ी समस्या जो हम देख रहे हैं, वह यह है कि कुछ देश आपस में युद्ध में उलझे हुए हैं, जिसका असर पेट्रोलियम उत्पादों और गैस की आपूर्ति पर काफी पड़ सकता है, क्योंकि हम उन्हें वहीं से आयात करते हैं।'

हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने यह भरोसा दिलाया कि मौजूदा स्थिति स्थिर बनी हुई है और आपूर्ति में तत्काल कोई रुकावट नहीं है। उन्होंने आगे कहा, 'अभी सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा है और कोई समस्या नहीं है।'

तैयारी पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'एक कहावत है कि 'सबसे अच्छे की उम्मीद करो, लेकिन सबसे बुरे के लिए भी तैयार रहो।' सरकार ने अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करने पर भी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक कदम उठाए हैं। जब भी कोई समस्या आती है, तो हमें उसके लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। इसीलिए भारत सरकार ने हर तरह की तैयारियां कर रखी हैं। अगर भविष्य में कोई कठिनाई आती भी है, तो भी हम आसानी से उसका कोई न कोई हल निकाल लेंगे।'

उन्होंने आगे कहा कि भारत के पास इस समय जरूरी ईंधनों और संबंधित संसाधनों का पर्याप्त भंडार मौजूद है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास इस समय पर्याप्त स्टॉक है, चाहे वह पेट्रोल हो, एलपीजी हो, या फिर ऐसी ही दूसरी चीजें जिन्हें हम विदेशों से आयात करते हैं। हम हर पहलू से पूरी तरह तैयार हैं।'

इस तैयारी को आत्मनिर्भरता के व्यापक दृष्टिकोण से जोड़ते हुए, मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के आह्वान का जिक्र किया। उन्होंने समझाया कि आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपनी घरेलू क्षमताओं को इतना मजबूत बनाना कि बाहरी स्रोतों पर हमारी निर्भरता कम हो जाए।

उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमें एक 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करना है। आत्मनिर्भरता का सीधा सा मतलब यह है कि हम अपनी जरूरतों के लिए खुद ही पूरी तरह से सक्षम और आत्मनिर्भर हों।'

उन्होंने देशों के बीच आपसी व्यापार की मौजूदा व्यवस्था पर भी प्रकाश डाला और बताया कि भारत अपनी जरूरतों के हिसाब से चीजों का आयात और निर्यात, दोनों ही करता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि देश किसी भी प्रतिकूल या मुश्किल हालात का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम है।

उन्होंने कहा, 'अभी देशों के बीच एक व्यावहारिक आदान-प्रदान की व्यवस्था चल रही है। कुछ चीजें हम उनसे आयात करते हैं, तो कुछ चीजें वे हमसे लेते हैं। लेकिन, अगर भविष्य में हालात बिगड़ते भी हैं, तो भी हम हर तरह से उनका सामना करने में पूरी तरह से सक्षम हैं। घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि अगर कोई भी मुश्किल आती है, तो हम स्थिति को संभालने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

जवाहरलाल नेहरू कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का तैयार किया जाएगा नया लेआउट

वाराणसी, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के विकास एवं सुव्यवस्थित पुनर्विकास के संबंध में बुधवार को वीडीए में बैठक हुई। इसमें वीडीए उपाध्यक्ष पूर्ण बोरा ने कॉम्प्लेक्स के वर्तमान ढांचे, व्यापारिक गतिविधियों तथा वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त फीडबैक एवं व्यापारियों के सुझावों के आधार पर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का एक नया और व्यवस्थित लेआउट तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि इस लेआउट के माध्यम से परिसर में व्यापारिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के साथ-साथ यातायात, पार्किंग तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा। इसके लिए विस्तृत डॉक्यूमेंटेशन भी तैयार किया जाएगा, ताकि विकास कार्यों को योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जा सके। बैठक में उपस्थित व्यापारियों के साथ भी विस्तृत वार्ता की गई। व्यापारियों ने परिसर में व्याप्त कुछ समस्याएं, अपने सुझाव एवं अपेक्षाएं प्रस्तुत कीं। उपाध्यक्ष ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। वर्तमान में मौजूद व्यवसायियों को प्राथमिकता देते हुए स्थापित करने की नीति अपनाई जाएगी। इसके अतिरिक्त, परिसर में आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़क एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास का भी निर्णय लिया गया है। संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्ययोजना तैयार करें। विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराया जाए। वीडीए की ओर से जवाहरलाल नेहरू कमर्शियल कॉम्प्लेक्स को आधुनिक सुविधाओं से युक्त, सुव्यवस्थित एवं व्यापारिक दृष्टि से अधिक उपयोगी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एयर इंडिया की दिल्ली-लंदन फ्लाइट तकनीकी खराबी के चलते बीच रास्ते से वापस लौटी

सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली , एजेंसी। एयर इंडिया की दिल्ली से लंदन हीथ्रो जाने वाली एक फ्लाइट को गुरुवार दोपहर बीच रास्ते से वापस दिल्ली लौटना पड़ा। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी का शक होने पर यह फैसला लिया गया। यह फ्लाइट एआई111 सुबह करीब 6 बजे दिल्ली से रवाना हुई थी और लगभग 7 घंटे तक हवा में रहने के बाद वापस लौटी। यह विमान दोपहर करीब 12:30 बजे सुरक्षित दिल्ली एयरपोर्ट पर उतर गया। एयर इंडिया के प्रवक्ता के मुताबिक, यात्रा के दौरान तकनीकी समस्या का संदेह होने पर एहतियात के तौर पर विमान को वापस बुलाया गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सबसे पहली प्राथमिकता है, इसलिए यह निर्णय लिया गया।

एयरलाइन ने बताया कि विमान पूरी तरह सुरक्षित तरीके से उतरा और सभी सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।

फिलहाल विमान की विस्तृत तकनीकी जांच की जा रही है, जिसमें कुछ समय लग सकता है। इसके बाद ही आगे की उड़ान को लेकर फैसला लिया जाएगा।

एयर इंडिया ने इस घटना से यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है और कहा है कि प्रभावित यात्रियों को जल्द से जल्द लंदन पहुंचाने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

तकनीकी खराबी की असली वजह क्या थी, इसकी जानकारी जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

इससे पहले पिछले हफ्ते भी एयर इंडिया की एक फ्लाइट, जो दिल्ली से कनाडा के वैंकूवर जा रही थी, 9 घंटे बाद वापस लौट आई थी, क्योंकि उस रूट पर तैनात किए गए विमान (बी777) को कनाडा के एविएशन रेगुलेटर से वहां उड़ान भरने की अनुमति नहीं थी। एयर इंडिया की फ्लाइट, जिसका कॉल साइन एआई185 था, 20 मार्च को दोपहर 12.18 बजे दिल्ली से यात्रियों से पूरी तरह भरी हुई वैंकूवर के लिए बोइंग 777-200एलआर विमान से रवाना हुई, जबकि एयर इंडिया को इस मार्ग पर केवल अपने बोइंग 777-300ईआर विमानों के लिए ही कनाडा से अनुमति प्राप्त है।

बिना सुरक्षा उपकरण टैंक में उतरना पड़ा महंगा

बेहोश बेटे को बचाने में पिता की भी मौत

कानपुर एजेंसी। कानपुर के गूबा गार्डेन में पिता-पुत्र के बिना सुरक्षा उपकरण के सेप्टी टैंक में सफाई के लिए उतर गए, इस कारण उनकी जान चली गई। दोनों जब टैंक में उतरे, तो सीवर सफाई कराने के लिए सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं था। अपार्टमेंट का कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति मौके पर मौजूद नहीं था। सीवर का ढक्कन खुलने के कुछ ही देर बाद कार्य शुरू कर दिया गया था।

जानकारों के अनुसार इसके लिए उन्हें उतारने वाले भी जिम्मेदार हैं, क्योंकि सेप्टिक टैंक या सीवर (सेफ्टी) टैंक में उतरना बहुत जोखिम भरा काम है।

इसमें ऑक्सीजन की कमी के अलावा हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनो आक्साइड, मीथेन आदि जहरीली गैसें होती हैं। सक्रंमण का भी खतरा रहता है। इसलिए सेप्टिक टैंक में उतरते समय सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है।

कल्याणपुर के अपार्टमेंट में बुधवार तड़के सीवर टैंक की सफाई करने उतरे पिता जावेद और पुत्र आकिब की जहरीली गैस से मौत हो गई। दोनों एक अन्य रिश्तेदार इरफान के साथ अंदर घुसे थे। पहले चरण की सफाई के बाद इरफान नीचे नहीं उतरे, जबकि पिता-पुत्र फिर से दाखिल हो गए। टैंक में किसी तरह की हरकत न होने पर इरफान ने शोर मचाकर अपार्टमेंट के सुरक्षाकर्मियों को जानकारी दी।

शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंपा

पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ ने दोनों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक गूबा गार्डन स्थित आनंद अपार्टमेंट में सीवर टैंक की सफाई का कार्य होना था। ठेकेदार ने कर्नलगंज तकिया पार्क निवासी इरफान को काम दिया था। इरफान मंगलवार की रात करीब 2:30 बजे कर्नलगंज निवासी ससुर जावेद (46) और साले आबिद (25) के पास पहुंचे।

लगभग तीन बजे तीनों अपार्टमेंट के सीवर टैंक के पास पहुंचे। तीनों चैंबर के रास्ते से 20 फीट गहरे टैंक में दाखिल हुए। पहले चरण की सफाई कर बाहर निकल आए। करीब चार बजे जावेद और आबिद फिर से टैंक में घुसे।

काशी विद्यापीठ के कॉलेजों में फीस जमा कर डिग्रियां ले सकेंगे विद्यार्थी

वाराणसी, एजेंसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से संबद्ध वाराणसी समेत पांच जिलों के विद्यार्थियों की डिग्रियां तैयार हो गई हैं। सत्र 2024-25 के स्नातक, परास्नातक परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को अपनी डिग्री लेने विवि नहीं आना पड़ेगा। उनको अपने उपाधि की निर्धारित फीस 200 रुपये संबंधित कॉलेज में जमा करनी होगी। यहीं से उनको डिग्रियां मिल जाएंगी। काशी विद्यापीठ में सत्र 2024-25 में वाराणसी के साथ ही सोनभद्र, चंदौली, मिर्जापुर, भदोही जिले के करीब 350 से अधिक कॉलेजों में स्नातक, स्नातकोत्तर के करीब 80 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद इस सत्र के छात्रों ने अपनी मार्कशीट तो ले ली थी लेकिन अब तक उनको डिग्री नहीं मिल पाई थी। अब विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की ओर से इस सत्र वाले विद्यार्थियों की डिग्रियां तैयार कराई जा चुकी है। पहले पांचों जिलों के कॉलेजों के विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय आकर डिग्री लेनी पड़ती थी। इस बार सभी विद्यार्थियों को संबंधित कॉलेज में ही डिग्रियां मिल जाएंगी।

क्या कहते हैं अधिकारी : सत्र 2024-25 में विश्वविद्यालय से जुड़े कॉलेजों के विद्यार्थियों की डिग्रियां तैयार हो गई हैं। संबंधित विद्यार्थी 200 रुपये की फीस कॉलेज में जमा कर अपनी डिग्री को वहीं से ले सकते हैं। उनको विश्वविद्यालय के चक्कर नहीं लगाने होंगे। -दीप्ति मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक

ईरान पर इस्राइल-अमेरिकी हमलों में आई तेजी, शिराज क्षेत्र में दो किशोरों की मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास दूसरे हमले के बाद रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इस्राइल पर जानबूझकर परमाणु आपदा को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इसकी वजह से मॉस्को को ईरान और रूस के संयुक्त रूप से निर्मित स्थल से और अधिक कर्मचारियों को निकालना पड़ा है। आईआरएनए समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार शाम को शिराज क्षेत्र के काफ्री गांव में एक आवासीय क्षेत्र पर अमेरिकी-इस्राइली हमले में दो किशोर लड़कों की मौत हो गई। हमले में मारे गए लड़कों की पहचान इल्या और अमीर हुसैन शराफी के रूप में हुई है।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बोले- पश्चिम एशिया संघर्ष का सबसे बुरा असर गरीबों और कमजोरों परसंयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का सबसे अधिक प्रभाव सबसे गरीब और सबसे कमजोर आबादी पर पड़ रहा है।

उन्होंने युद्ध को तत्काल खत्म करने और कूटनीति के लिए एक नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया है। एक्स पर एक पोस्ट में गुटेरेस ने कहा कि संघर्ष के मानवीय परिणाम उन नागरिकों द्वारा भुगते जा रहे हैं जिनकी इस संघर्ष में कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मध्य पूर्व में संघर्ष के झटके उन लोगों को सबसे अधिक लग रही हैं **जिनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है:** सबसे गरीब और सबसे कमजोर। 'ओर से **ईरान पर बढ़ाए गए हमले:** ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों की संख्या और तीव्रता बढ़ती जा रही है। यह सिलसिला लगातार चल रहा है। ईरान के शिराज में हुई बमबारी में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, दक्षिण में स्थित लामर्ड हवाई अड्डे पर भी बमबारी की गई है। युद्ध की शुरुआत से ही इस्फहान और कराज पर लगातार हमले किए जा रहे हैं।

जर्मनी के रक्षा मंत्री बोले- ईरान युद्ध दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं के लिए आपदा: जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कहा कि ईरान युद्ध 'विश्व की अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक आपदा' है। बोरिस पिस्टोरियस ने ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच छिड़े युद्ध के राजनयिक समाधान का आह्वान किया है। उन्होंने इस संघर्ष को आर्थिक विपदा बताया है। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मनी किसी भी प्रकार की शांति स्थापित करने में मदद करने के लिए तैयार है।

पाकिस्तान का अमेरिका पर तंज, ख्वाजा आसिफ बोले- अब युद्ध का मकसद सिर्फ होर्मुज खुलवाना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच पाकिस्तान ने अमेरिका पर तंज कस रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि ऐसा लगता है कि अब युद्ध का मकसद बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब सारा ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवाने पर है। दरअसल, इस ईरान-अमेरिका युद्ध के चलते ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। यह रास्ता दुनिया के लिए बेहद जरूरी है क्योंकि वैश्विक तेल व्यापार का 20 प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। इसके बंद होने से दुनिया भर में ईंधन की सप्लाई पर बुरा असर पड़ा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इस रास्ते को खुलवाने के लिए दुनिया के देशों से एकजुट होने की अपील की थी।इस मामले पर अब पाकिस्तान रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिका पर तंज कसते हुए कहा, ऐसा लगता है कि अब युद्ध का मकसद बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब सारा ध्यान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खुलवाने पर लगा है, जबकि यह रास्ता युद्ध शुरू होने से पहले खुला ही था। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान खुद अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता और मेजबानी करने की कोशिश में जुटा है। हालांकि ईरान ने बुधवार को अमेरिका के युद्धविराम प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया।

टैलेंट को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा तो बनी यूपी की नई तस्वीर

गोरखपुर , एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने यूपी के टैलेंट को टेक्नोलॉजी के साथ जोड़कर और इंडस्ट्री के हब के रूप में स्थापित करने में सफलता प्राप्त की है। आईटी, इलेक्ट्रॉनिक, एआई, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और डाटा सेंटर से लेकर के एमएसएमई और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के सभी कार्य आज के दिन यूपी में हो रहे हैं। साइबर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल, एग्रीटेक, फिनटेक, डीपटेक, हेल्थटेक, टूरिज्म, हॉस्पिटैलिटी जैसे क्षेत्र में उत्तर प्रदेश तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। सरकार मेडिटेक और एग्रीटेक पर भी कार्य कर रही है।सीएम योगी बुधवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) में 144 बेड के गर्ल्स हॉस्टल के भूमि पूजन व शिलान्यास एवं साइबर फॉरेंसिक रिसर्च लैब के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी में पुलिस के पास ग्रेड वन के सिर्फ दो फॉरेंसिक साइंस लैब थीं। आज यूपी में ग्रेड वन की 12 फॉरेंसिक साइंस लैब है, जबकि छह निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा सभी 75 जिलों में दो-दो मोबाइल फॉरेंसिक लैब हैं। मैन पावर की पूर्ति के लिए लखनऊ में पुलिस के लिए विश्वस्तरीय फॉरेंसिक साइंस इंस्टीट्यूट स्थापित हो चुका है।

ट्रंप ने स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ को बताया सबसे सही आदमी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया की इस्राइल, अमेरिका-ईरान जंग आज अपने 27वें दिन में है। इस युद्ध में अब तक 3,000 से ज्यादा जानें गई हैं और अरबों डॉलर का नुकसान किया है। कच्चे तेल की कीमत असमान छू रही हैं। यह 100 डॉलर के ऊपर बनी हुई हैं। इस संकट के चलते लोखों लोग बेघर हो चुके हैं। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि वे ईरानी शासन के सही लोगों से बात कर रहे है जो कि समझौता करना चाहते है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप जिस 'सही आदमी' की बात कर रहे हैं, वह ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ हैं। 64 साल के गालिबाफ का जन्म 1961 में मशहद के पास हुआ था। वह एक अनुभवी युद्ध सेनानी, लड़ाकू पायलट और सैन्य खुफिया अधिकारी रहे हैं। उन्होंने 1982 में जहरा सादात मुशीर से शादी की थी और उनके तीन बच्चे हैं। गालिबाफ 12 साल तक तेहरान के मेयर भी रहे हैं। उनके कार्यकाल में शहर के बुनियादी ढांचे में काफी सुधार हुआ, लेकिन उन पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे।

गालिबाफ और ट्रंप के बीच का तनाव: हैरानी की बात यह है कि गालिबाफ ने सार्वजनिक रूप से ट्रंप को भला-बुरा कह चुके हैं और उन्हें सबक सिखाने की कसम खाई थी।

ईरान को अमेरिका की चेतावनी- हार नहीं मानी तो होगा और भीषण हमला, युद्धविराम पर तनातनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब और गहरा होता जा रहा है। जहां एक ओर युद्धविराम को लेकर बातचीत जारी है, वहीं दूसरी ओर दोनों देशों के बीच बयानबाजी और सैन्य दबाव तेज हो गया है। व्हाइट हाउस ने साफ किया है कि वार्ता अभी डेड एंड पर नहीं पहुंची है, लेकिन हालात बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई को और तेज कर सकता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि तेहरान अपनी सैन्य हार को स्वीकार नहीं करता है, तो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले से भी अधिक कड़ा कदम उठाने के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तान में संभावित बैठक पर बयान: लेविट ने कहा कि पाकिस्तान में ईरान से वार्ता को लेकर कई अटकलें हैं, लेकिन व्हाइट हाउस द्वारा आधिकारिक घोषणा के बिना किसी को भी इसे मान्य नहीं समझना चाहिए। लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप धमकी नहीं देते, बल्कि कार्रवाई करते हैं। उन्होंने ईरान को चेतावनी दी कि पिछली गलत गणना ने उनकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम, नौसेना, वायुसेना और एयर डिफेंस सिस्टम को भारी नुकसान पहुंचाया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान के साथ तीन दिनों तक उपजाऊ बातचीत की, जिसके कारण कुछ हमलों को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया। ईरान के लिए यह एक और अवसर है कि वे अपने परमाणु कार्यक्रम को स्थायी रूप से छोड़ें और अमेरिका व उसके सहयोगियों को खतरा न बनें।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर फोकस: अमेरिका ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी सैन्य रणनीति का एक प्रमुख लक्ष्य होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित रखना है। यह क्षेत्र वैश्विक तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के माध्यम से तेल टैंकरों के गुजरने का निर्णय केवल राष्ट्रपति ट्रंप ही कर सकते हैं।

फिलहाल इस बारे में कोई निश्चित समयसीमा नहीं है, लेकिन प्रशासन इस पर तेजी से काम कर रहा है। लेविट ने यह भी कहा कि ट्रंप ने यह दिखाया है कि वे मुक्त दुनिया के नेता और सबसे शक्तिशाली सेना के प्रमुख हैं। उन्होंने विभिन्न उदाहरणों में यह साबित किया कि अमेरिका के सहयोगी उनके नेतृत्व में फैसलों का समर्थन करते हैं, जो अमेरिका और वैश्विक हितों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

ट्रंप-शी जिनपिंग शिखर वार्ता तय : व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने जानकारी दी है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच लंबे समय से प्रस्तावित बैठक अब 14 और 15 मई को बीजिंग में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह बैठक दोनों देशों के बीच रणनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष का निष्कर्ष चर्चा का पूर्व शर्त नहीं था।

भूकंप व आपदा प्रबंधन पर कार्यशाला, 250 से अधिक विद्यार्थियों ने सीखे बचाव के गुर

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित प्रशिक्षण में आपदा से निपटने की दी गई व्यवहारिक जानकारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल के सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्थित पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भूकंप एवं प्राकृतिक आपदाओं से बचाव हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला में 250 से अधिक छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम अपर कलेक्टर बी.पी. पाण्डेय एवं एसडीएम राकेश शुक्ला के मार्गदर्शन एवं उपस्थिति में आयोजित किया गया, जबकि नोडल अधिकारी एल.बी. कोल के निर्देशन में इसका सफल संचालन हुआ। प्रशिक्षण प्लाटून कमांडर मयंक तिवारी द्वारा प्रदान किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को आपदा एवं आपदा प्रबंधन की मूलभूत जानकारी दी गई साथ ही भूकंप के कारण, उसके प्रभाव, बचाव के उपाय, भूकंप के दौरान और बाद में बरती जाने वाली सावधानियों तथा आग से सुरक्षा के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक उपकरणों का डेमोंस्ट्रेशन भी कराया गया, जिससे प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो. डॉ. के.एस. नेताम, प्रो. आई.पी. प्रजापति, एनसीसी प्रभारी प्रो. उमाकांत सहित होमगार्ड, एसडीईआरएफ, कलेक्ट्रेट एवं विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने ली गैस एजेंसी संचालकों की क्लास; डिलेवरी-बुकिंग और स्टॉक पर किया सवाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में जिले के सभी गैस एजेंसी संचालकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई इस बैठक का उद्देश्य एलपीजी वितरण व्यवस्था को सुगम और पारदर्शी बनाना था कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी गैस एजेंसियां ई-केवाईसी और एलपीजी वितरण के लिए अलग-अलग काउंटर स्थापित करें ताकि उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो उन्होंने एजेंसी संचालकों से दैनिक बुकिंग वितरण और स्टॉक की जानकारी भी ली। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि जिन उपभोक्ताओं की बुकिंग पहले हो चुकी है उन्हें निर्धारित तिथि पर प्राथमिकता के आधार पर गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं। गौरव बैनल ने जोर देकर कहा कि एलपीजी वितरण में पारदर्शिता और समयबद्धता अनिवार्य है उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या कालाबाजारी बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कलेक्टर ने राजस्व अमले और जिला आपूर्ति अधिकारी को प्रतिदिन एलपीजी वितरण की निगरानी करने के निर्देश दिए उन्होंने एजेंसी संचालकों को यह भी चेतावनी दी कि वे अपने कर्मचारियों को कालाबाजारी से दूर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल दें कलेक्टर ने अस्पताल, छात्रावास और विद्यालय जैसे संवेदनशील संस्थानों में कमर्शियल सिलेंडरों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे अफवाहों से बचें और घबराहट में बुकिंग न करें क्योंकि जिले में एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है। इस बैठक में तहसीलदार सविता यादव, जिला आपूर्ति अधिकारी पी.सी. चन्द्रवंशी, सहायक आपूर्ति अधिकारी सम्मी पटले सहित सभी गैस एजेंसी संचालक उपस्थित रहे।

पैरालीगल वॉलेंटियर्स के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण शुरू, विधिक सेवाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीधी जिले में पैरालीगल वॉलेंटियर्स के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 25 मार्च 2026 को मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया प्रशिक्षण का आयोजन एडीआर भवन स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मीटिंग हॉल से ऑनलाइन माध्यम के जरिए किया गया, जिसमें जिले के सभी पैरालीगल वॉलेंटियर्स ने सहभागिता की इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पैरालीगल वॉलेंटियर्स की कार्यक्षमता एवं दक्षता को बढ़ाना था ताकि वे समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक विधिक सेवाओं को प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न विधिक सेवाओं, सरकारी योजनाओं, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों से संबंधित विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से जानकारी दी गई अपने संबोधन में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पैरालीगल वॉलेंटियर्स न्याय व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं वे उन लोगों तक विधिक सहायता पहुंचाने का कार्य करते हैं जो किसी कारणवश न्यायालय तक नहीं पहुंच पाते उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना ही विधिक सेवा प्राधिकरण का मुख्य उद्देश्य है और इसमें वॉलेंटियर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी पैरालीगल वॉलेंटियर्स से अपेक्षा की कि वे अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें और आमजन को विधिक सेवाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्राप्त ज्ञान का उपयोग जमीनी स्तर पर करना आवश्यक है जिससे लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़े और वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें कार्यक्रम के दौरान जिले के सभी पैरालीगल वॉलेंटियर्स ने ऑनलाइन माध्यम से प्रशिक्षण में भाग लेते हुए विधिक सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताते हुए कहा कि इससे उनके कार्य करने की क्षमता में निश्चित रूप से वृद्धि होगी।

ईमेल से बम धमकी, शहडोल में हाई अलर्ट; डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय में चला सर्च ऑपरेशन

मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। शहडोल में डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता (बीडीएस) और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने दोनों स्थानों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि घंटों चली जांच के बाद कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली जानकारी के अनुसार मुख्य डाकघर के अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह को भोपाल स्थित हेड ऑफिस से अलर्ट प्राप्त हुआ था ईमेल में पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी ईमेल में किसी विशिष्ट जिले का उल्लेख नहीं था लेकिन संभावित खतरे को देखते हुए शहडोल में भी सुरक्षा एजेंसियों को सक्रिय किया गया सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस, बीडीएस टीम और डॉग स्क्वॉड तुरंत मुख्य डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय पहुंची पूरे परिसर को घेरकर एक-एक कोने की बारीकी से जांच की गई सुरक्षा कारणों से लोगों की आवाजाही पर भी कुछ समय के लिए रोक लगाई गई। कई घंटों तक चले इस सर्च ऑपरेशन में कोई विस्फोटक या संदिग्ध सामग्री नहीं मिली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई एहतियात के तौर पर की गई थी और फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्ति की पहचान के लिए साइबर टीम को सक्रिय कर दिया गया है इस घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियां अधिक सतर्क हो गई हैं पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की सूचना तुरंत प्रशासन को दें ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। मुख्य डाकघर के अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि भोपाल स्थित हेड ऑफिस से अलर्ट मिला था कि एक अज्ञात ईमेल में पोस्ट ऑफिस और पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। यह मेल किस कार्यालय के लिए था यह स्पष्ट नहीं था लेकिन इसके बाद भी एहतियातन हमने मामले की जानकारी एसपी दी थी जिसके बाद बीडीएस और पुलिस टीम ने मिलकर सर्चिंग ऑपरेशन चलाया था।

सोन नदी में बोरे में बंधी अज्ञात लाश; गऊ घाट पर पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सोन नदी के गऊ घाट पर एक अज्ञात शव मिलने से हड़कंप मच गया लाश बोरे और कपड़ों में लिपटी हुई थी और रस्सियों से कसकर बंधी हुई थी जिससे मामला काफी संदिग्ध नजर आ रहा है। सुबह एक राहगीर वहां से गुजर रहा था तभी उसकी नजर नदी में इस संदिग्ध चीज पर पड़ी उसने तुरंत वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया देखते ही देखते खबर फैल गई और लोग मौके पर जुटने लगे गांव के युवक ने दी पुलिस को सूचना देवघटा गांव के रहने वाले अभिलाष साकेत ने सुबह करीब 9 बजे पुलिस को जानकारी दी कि नदी में लाश जैसी चीज दिखाई दे रही है सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस तुरंत हरकत में आ गई।

सांसद के प्रयास रंग लाए, किडनी व कैंसर मरीजों को मिली राहत कोष

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के प्रयासों से किडनी एवं कैंसर से पीड़ित दो मरीजों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से आर्थिक सहायता प्रदान की गई है इस सहायता से दोनों मरीजों को बेहतर उपचार प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले के ग्राम तितिरा शुक्लान, तहसील रामपुर नैकिन निवासी सुधा तिवारी को कैंसर उपचार के लिए तथा सिंगरौली जिले के ग्राम तेलगवा, तहसील सिंगरौली निवासी धर्मनाथ यादव को किडनी उपचार के लिए सहायता स्वीकृत की गई है। दोनों ही मरीज लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उपचार में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे बताया गया कि सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने दोनों मरीजों की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए उनके उपचार के लिए प्रधानमंत्री कार्यालय को अनुरोध पत्र भेजा था उनके सक्रिय प्रयासों और अनुशंसा के परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दोनों मरीजों के लिए 3-3 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई। इस आर्थिक सहायता से मरीजों को आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त करने में आसानी होगी और उनके इलाज की प्रक्रिया में तेजी आएगी परिजनों ने इस सहायता के लिए सांसद एवं केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है इस अवसर पर सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है।

झूलेलाल छठी महोत्सव में उमड़ा सिंधी समाज, भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। जानकी पार्क स्थित सिंधु भवन में आयोजित झूलेलाल छठी महोत्सव के अवसर पर सिंधी समाज की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। झूलेलाल धर्मार्थ प्याऊ समिति द्वारा आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए और देर रात तक धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 7 बजे किया गया जहां श्रद्धालुओं ने भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया इसके बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे माहौल को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया समिति की महिला टीम ने पंडित कोमल शर्मा के नेतृत्व में बच्चों के डांस, नृत्य, फैंसी ड्रेस और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का मनमोहक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 3 से 10 वर्ष तक के लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन समाजसेवी कविता कोटवानी ने किया, जिनका सहयोग पायल मोटवानी, नेहा झमवानी और आरती लखवानी ने दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया कार्यक्रम के अगले चरण में महाआरती का भव्य आयोजन किया गया, जो पूरे समारोह का मुख्य आकर्षण रहा इस दौरान पंडित कोमल शर्मा एवं पचमठ धाम के पंडितों ने विधि-विधान से आरती संपन्न कराई महाआरती के समय श्रद्धालुओं की भीड़ ने भक्ति भाव से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया इस अवसर पर समाज के कई प्रमुख गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जिनमें सरदार प्रहलाद सिंह, कन्हैया लाल मंगलानी, शंकर साहनी, कैलाश कोटवानी, अशोक रोहड़ा, राजकुमार टीलवानी, विजय थावानी, कैलाश आहूजा खट्टू सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

मां कोटमहिन के दरबार में श्रद्धालु की भीड़:'बीमारी विदाई' की अनोखी परंपरा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कोटमा पहाड़ पर विराजमान मां कोटमहिन का दरबार हजारों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है चैत्र नवरात्र की नवमी पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में माता के दर्शन के लिए आते हैं यह मंदिर कुसमी वनांचल में स्थित संजय टाइगर रिजर्व के बीच में है यहां 'बीमारी विदाई' की एक अनोखी परंपरा भी चर्चा में रही है दो पहाड़ों और घने जंगल के बीच स्थित इस धाम तक पहुंचना आसान नहीं है। इसके बावजूद, हजारों भक्तों ने कठिन रास्तों को पार कर मां के दर्शन किए, जो उनकी अटूट श्रद्धा को दर्शाता है। बताया जाता है कि पहले मां कोटमहिन गुफा के अंदर विराजमान थीं जहां श्रद्धालु सीधे प्रवेश कर दर्शन करते थे। लगभग 30 साल पहले गुफा के बीचों-बीच एक विशाल पत्थर गिर गया, जिससे रास्ता पूरी तरह बंद हो गया अब श्रद्धालु बाहर से ही गुफा के द्वार पर पूजा-अर्चना कर माता के दर्शन करते है इस बार नवरात्रि में मां कोटमहिन की पूजा के साथ 'बीमारी को गांव से जंगल भेजने' की एक अनोखी मान्यता भी चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय आदिवासी समाज के अनुसार, जब किसी गांव में बीमारी फैलती है तो विशेष पूजा-अर्चना के साथ मुर्गी या बकरे के माध्यम से उस बीमारी को एक गांव से दूसरे गांव स्थानांतरित किया जाता है और अंतत जंगल की ओर विदा कर दिया जाता है ग्रामीणों का दावा है कि यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है और आज भी लोग इस पर गहरा विश्वास रखते हैं राजेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा ने बताया, 'जब भी गांव में कोई बीमारी फैलती है तो माता की स्थापना कर पूजा की जाती है और फिर उस बीमारी को दूसरे गांव की ओर विदा किया जाता है यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और माना जाता है कि अंत में बीमारी जंगल में चली जाती है और वापस नहीं लौटती।'

प्राचीन धाम, 15-16 गांवों की कुलदेवी में अटूट विश्वास: वहीं श्रद्धालु रामकेश द्विवेदी कहते हैं, 'माता का स्थान बहुत प्राचीन है और करीब 15-16 गांवों की यह कुलदेवी हैं नवरात्रि में हर घर में माता विराजमान होती हैं और पूरे 9 दिन पूजा और भंडारा चलता है सबसे खास बात यह है कि जंगल और जंगली जानवरों के बीच होने के बावजूद आज तक किसी श्रद्धालु को कोई नुकसान नहीं हुआ यह माता की कृपा है। नवरात्रि के दौरान हर घर में माता का चौरा स्थापित कर पूजा की जाती है ज्वारे बोने से लेकर विसर्जन तक मां कोटमहिन को ही सर्वोपरि माना जाता है मिढुली में भगत और पारंपरिक नृत्य के साथ श्रद्धालु माता की भक्ति में डूबे नजर आते हैं।

एनएसएस शिविर में नशा मुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम, युवाओं ने लिया संकल्प

गोद ग्राम में आयोजित शिविर के तीसरे दिन नशा त्याग और जल संरक्षण पर विशेष जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा गोद ग्राम में आयोजित साप्ताहिक शिविर के तृतीय दिवस पर नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना रहा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा, सीईओ जनपद पंचायत सी.एल. पनिका, जिला समन्वयक जन अभियान परिषद मुकेश गौर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पनवार की प्राचार्य प्रतिभा भार्गव उपस्थित रहीं सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए युवाओं को समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया इसके पश्चात विद्यार्थियों को नशा मुक्ति अभियान के उद्देश्यों एवं इसके सामाजिक महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई उपस्थित छात्र-छात्राओं को नशा त्यागने की शपथ भी दिलाई गई जिससे उन्होंने समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया इस दौरान छात्रों एवं अतिथियों ने गीत, कविता और भाषण के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया छात्रों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को प्रभावशाली और प्रेरणादायक बना दिया वक्ताओं ने नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे समाज को प्रभावित करता है कार्यक्रम के अगले चरण में जल संरक्षण के महत्व पर भी चर्चा की गई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. दिलीप सोनी ने सभी विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाते हुए बताया कि जल संकट एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और इसके संरक्षण के लिए सभी को जागरूक होना आवश्यक है इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया कार्यक्रम के दौरान वातावरण ऊर्जा और जागरूकता से भरपूर रहा मध्यान्ह भोजन के बाद जागरूकता रैली निकाली गई जिसमें छात्र-छात्राओं ने गांव के लोगों को नशा मुक्ति एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया रैली के माध्यम से ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों से बचने और जल के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। छात्रों ने नारे लगाकर और संदेश देकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया।

गंगा फिर भी मैली :सख्ती व जवाबदेही से ही होगा समाधान

संपादकीय

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत की सतर्कता : ईंधन आपूर्ति सामान्य, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

बिनोद कुमार सिंह

पश्चिम एशिया में बदलते भू- राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने जिस संतुलित,सजग और दूरदर्शी दृष्टिकोण का परिचय दिया है, वह न केवल उसकी प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है,बल्कि नागरिकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी गंभीर स्थिति के बावजूद देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है।यह तथ्य इस बात का प्रमाण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर समय रहते ठोस और प्रभावी तैयारी कर रखी है।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।पेट्रोल और डीजल के स्टॉक भी संतोषजनक स्तर पर बनाए रखे गए हैं।हालाँकि अफवाहों के चलते कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखने को मिली,लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है।घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए एलपीजी उत्पादन में वृद्धि की गई है। साथ ही, सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी)आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए भी संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है,ताकि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।विशेष रूप से होटल,रेस्तरां और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है।

सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह आदेश देशभर में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को गति देगा और ऊर्जा के स्वच्छ एवं सुलभ विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा देगा।इससे न केवल पारंपरिक ईंधनों पर दबाव कम होगा,बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

एलपीजी आपूर्ति वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित अवश्य हुई है,लेकिन देश में कहीं भी 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है।सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है, जिससे छोटे व्यवसायों और सेवा क्षेत्रों को राहत मिली है।इसके अतिरिक्त,केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है,ताकि माँग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे।राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। हजारों छापों और सैकड़ों गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट है कि प्रशासन इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह गंभीर है।जिला स्तर पर निगरानी समितियों और नियंत्रण कक्षों की स्थापना से स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है।

समुद्री क्षेत्र में भी भारत की सक्रियता उल्लेखनीय है।पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष के माध्यम से नाविकों और उनके परिवारों को निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है।अब तक सैकड़ों भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा चुकी है,जो इस दिशा में सरकार के समर्पण को दर्शाती है।विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावास चौबीसों घंटे कार्यरत हैं और जरूरतमंद नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। 28 फरवरी से अब तक लाखों भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट चुके हैं।विशेष उड़ानों और वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से यह अभियान लगातार जारी है।

नित्य अविनाशी दयानिधि भगवान श्री राम

रामनवमी पर विशेष

संजय गोस्वामी

राम नवमी 2026, 26 मार्च को है, जिसे उपवास, प्रार्थना और रामायण पढ़ने के साथ मनाया जाता है।जो नित्य, अविनाशी, आदि पुरुष, परब्रह्म राम है वे ही हृदय में रहते हैं। प्रकट करने के लिए स्वयं को प्रयास करना होगा। दूसरे का इसमें कोई रोल नहीं है। अपका स्वरूप परमचेतन ब्रह्म है, उनसे प्रत्यक्ष होना स्वयं पर निर्भर है। ऋषियों द्वारा और बाद के संतों ने भी अपनी शब्दों में राम को ,सत्य नाम का वर्णन किया है यह जो उल्टा नाम जपे जग जाना यह कोई व्यक्ति विशेष का नाम नहीं यह नाम राम ही प्रभु को ही नाम कहा है उसी का सुमिरन सुरती को उलट कर संत अपने आत्मा में अनुभव करते हैं यह साधना का विषय है अनुभव का विषय है जीव सनातन ईश्वर का अंश है उसी प्रकृति के कारण सदैव आनन्द की तलास में रहता है।

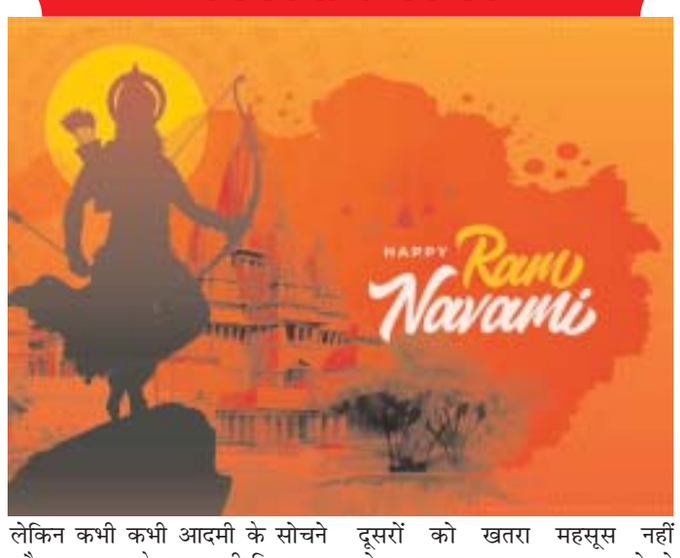

इस प्रकिया में कभी स्त्री पुत्र से तो कभी धन सम्पत्ति से तो कभी स्वादिष्ट पदार्थों से सदैव आनन्द प्राप्त करने में सतत् लगा रहता है, परंतु उपरोक्त सभी आनन्द क्षणिक होते हैं। और नये आनन्द के प्रयास में लग जाता है। जीवन के आखिरी क्षण तक सतत् यही प्रयास चलता रहता है। वास्तव में पदार्थों में आनन्द है ही नहीं केवल आनन्दका आभास है, वह उसे भोगने के बाद मिट जाता है। इसलिए जो आत्मानन्द जो स्वयं का स्वरूप है, जबतक इसमें स्थित नहीं होंगे तबतक पूर्ण आनन्द नहीं मिलेगा।जब आप बुलंदी पर रहते हैं तो सब अच्छा लगता है लेकिन जब आप दु:ख में रहते हैं तो पहले अपनी बात लोगों को बताने पर लोग आपकी मदद करते थे लेकिन अब समय वैसा नहीं है अगर दु:ख की बात करेंगे तो आपकी ही गलती निकालेंगे या परिवार को बदलने की सलाह देंगें और फिर जब कुछ समझ नहीं आता तो अन्त में लोग आत्महत्या करने पर मजबूर हो जाते हैं अत आज व्हाट्सप्प का युग है डेली प्रवचन होता है और आपस में लड़ाई भी यानि आज लोग खुद अपने दु:खो से परेशान है आखिर आपका दु:ख क्यों सुने समय नहीं लोग आज बदल गए हैं अत आप अपनी बात दु:ख में किसी से शेयर करेंगे तो लोग मज़ाक ही नहीं हवा की तरह पूर्ण समाज में फैलती है लेकिन आपको यानि मानव को भगवान राम ने असीमित शक्ति प्रदान की है जो जीवन में गलत कर्मों या कष्ट में बचाता है जब लंका पार करने की बात आती है तो ऋक्षराज जाम्बवान ने हनुमानजी से कहा- हे हनुमान! हे बलवान सुनो, तुमने यह क्या चुप साध रखी है? तुम पवन के पुत्र हो और बल में पवन के समान हो। तुम बुद्धि-विवेक और विज्ञान की खान हो ॥2॥

कवन सो काज कठिन जग माहीं।
जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं॥
राम काज लगि तव अवतारा।
सुनतहिं भयउ पर्बताकारा॥3॥

जगत? में कौन सा ऐसा कठिन काम है जो हे तात! तुमसे न हो सके। श्री रामजी के कार्य के लिए ही तो तुम्हारा अवतार हुआ है। यह सुनते ही हनुमान?जी पर्वत के आकार के (अत्यंत विशालकाय) हो और हनुमान जी विशाल रुप से उड़ते हुए लंका पार कर जाते हैं अत:

जीवन में गलत कर्मों से विभिन्न समस्याओं और जटिलताओं को जन्म दे सकता है, जिनमें शामिल हैं:

गिरना और चोट लगना और सम्भलने की ताकत : चक्कर आने से गिरने और चोट लगने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर बुजुर्गों में होता लेकिन कभी कभी आदमी के सोचने और हरबड़ाहट के कारण भी गिर जाता है भगवान राम का ध्यान करने से आप संयम से काम लेते हैं जैसे जैसे जब भगवान राम के भाई भरत उन्हें मनाने आते हैं तो भ्राता लखण के मन में लड़ने की धारणा बनती है लेकिन भगवान राम ने लक्ष्मण को समझाते हैं की उसकी धारणा प्रेम की है श्री राम का विश्वास किसी एक घटना या सबूत पर आधारित नहीं था, बल्कि भरत के संपूर्ण चरित्र और स्वभाव की जीवन भर की समझ पर टिका था। वे जानते थे कि भरत का मूल स्वभाव धर्म, प्रेम और त्याग का है।अत: जब त्याग की भावना आएगी तब आप हरबड़ाहट में नहीं शान्ति और धैर्य से काम लेंगे जिससे आप संयम से काम लेंगे जिससे आप ना तो गिरेंगे और ना ही चोट लगेगी क्योंकि भगवान राम अपने भक्तो को हर समय सँभलने का मौका देता है जैसा लगेगा की आपको अपने गोद में ही ले लिया।

जीवन की गुणवत्ता में कमी को दूर करना : बार-बार या लंबे समय तक चक्कर आना किसी व्यक्ति की दैनिक गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता कम हो सकती है।जीवन की गुणवत्ता अच्छी होंगी आप बुरे लोगों से आसानी से पीछा छुड़ा लोगे आप राम जी के जीवन से यह सिख ले सकते हैं कि अपने लक्ष्य का पीछा तब तक न छोड़ें, जब तक की आप उसे प्राप्त न कर लें। क्योंकि अगर आप पूरी मेहनत और लगन के साथ लक्ष्य प्राप्ति में लग जाते हैं, तो वह आपको हासिल होकर ही रहता है। रामकथा से भी हमें यही सीख मिलती है कि अंत में सफलता जरूर मिलती है।

चिंता और अवसाद: लगातार चक्कर आने से भावनात्मक परेशानी हो सकती है, जिससे चिंता और अवसाद हो सकता है।चिंता विकार हमें उन स्थितियों में भी चिंतित कर देते हैं जहां दूसरों को खतरा महसूस नहीं होता।भगवान राम का ध्यान करने से अपने आप ही चिंता मिलेगी और आप हमेशा खुश रहेंगे।

चक्कर आने के कारण भारी मशीनरी चलाना या चलाना असुरक्षित हो सकता है, जिससे स्वयं और दूसरों के लिए खतरा पैदा हो सकता है।किसी एक ध्येय पदार्थ में धारणा ध्यान और समाधि तीनों होने से संयम कहलाता है।

काम या सामाजिक गतिविधियां छूट जाने पर उत्साह : चक्कर आने के कारण कार्यदिवस छूट सकता है और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी कम हो सकती है।लेकिन जो भगवान राम के चरणों में बार बार ध्यान करता है उसे पुन: एक नई ऊर्जा मिलती है और फिर बीते समय को भूल कर अपने अच्छे काम के कारण पुन:सामाजिक गतिविधियां में उसका काम ही कुछ ऐसा होता है कि पुन: लोग उसकी प्रशंसा करते हैं अत: राम हमें हारने नहीं काम में हुई गलती को बारीकी से समझने का मौका देता है जिससे पुन: नया उत्साह आता है। अंतर्निहित चिकित्सा स्थितियाँ में सुधार चक्कर आना अंतर्निहित चिकित्सा समस्याओं का एक लक्षण हो सकता है, जिनमें से कुछ के लिए विशिष्ट उपचार की आवश्यकता हो सकती है।लेकिन जो भगवान राम का ध्यान करता है वो पुन: कार्य को दुगनी गति से बढ़ाता है और संयम से काम लेता है घबराहट जरूर दूर होगी चक्कर आना यानि मनोस्थिति ख़राब होना है लेकिन यदि भगवान राम का साथ मिला तो मनोस्थिति ठीक होती है, और मन पर नियंत्रण होने से मन उसमें रमने लगता है और फिर आपको किसी की आपको जरुरत नहीं पड़ेगी।

दवा के दुष्प्रभाव में सुधार : चक्कर आने का इलाज करने के लिए उपयोग की जाने वाली कुछ दवाओं के दुष्प्रभाव या अन्य दवाओं के साथ परस्पर क्रिया हो सकती है।इसलिए दवाई सही इलाज नहीं है बल्कि मानसिकता को ठीक करना चाहिए और मैं खुद इसका भूक्तभोगी हूँ 2017 में मुझे हार्ट में प्रॉब्लम हुआ हाथ उठाने और मोड़ने में परेशानी हुई हार्ट के डॉक्टर ने खुब टेस्ट कराया और एन्जॉयोग्राफी हेतु सलाह दि उधर कुछ एमडी के छात्र भी जानना चाहते थे इसलिए मुझे ऐ समझ आ गया कि ऐ लोग इलाज नहीं बल्कि आपके दिल से खिलवाड़ करेंगे और आखिर प्रैक्टिकल कैसे करेंगे अत मैं वहाँ से भागा और सब चिंता, लोगों को जितना बेबकूफ बनाकर लूटना है लूटो आखिर कब तक करोगे और ईश्वर के ध्यान और नकारात्मक लोगों से दूर रहकर शान्ति से भगवान राम का ध्यान किया और बाद में नार्मल हो गया अत: ईश्वर ने बॉडी में रिपेरिंग सिस्टम भी दि है लेकिन यह बहुत ध्यान और शांति से आता है।

इस देह रूपी लंका का वास्तविक उत्तराधिकारी जीव रूपी विभीषण है। पर यह जीव रूपी विभीषण, मोह रूपी रावण, अहंकार रूपी कुम्भकरन, काम रूपी मेघनाद और वासना रूपी सूर्पनखा के वशीभूत है।जिससे ऐ बीमारी पैदा होती है।

रामचरितमानस कोई कहानी की किताब नहीं है, अपने मानस में, मन में देखा गया राम चरित्र है। हमें भी मानस के पात्रों को व्यक्ति रूप में नहीं, अन्त करण की वृत्ति के रूप में देखना है।

ध्यान दें, तुलसीदास जी विनय पत्रिका में लिखते हैं-

अपारे संसारे विषय विष पूरो जलनिधि
रचित मन दनुज मय रूप धारी

माने विषय वासना के जल से भरा यह संसार ही सागर है। इस संसार-सागर में, आपका मन ही मय दानव है, इसी के द्वारा रचित यह आपका शरीर ही लंका है।

जीव-विभीषण, भगवान राम का टूटा फूटा भजन तो करता है, पर अपनी आँखों से मोहादि के, सब प्रकार के अनाचार दुराचार पापाचार को देखता हुआ भी, मोह की सत्ता का विरोध नहीं करता।भगवान राम के प्रभाव से जीव के करोड़ों जन्मों का किया हुआ पुण्य, फल देने को खड़ा होता है,और मनुष्य के रूप में जन्म लेता है तब उसके जीवन में हनुमान रूपी संत आते हैं, तब ही जीव रूपी विभीषण को साहस होता है और वह मोहादि को चुनौती देता है। वह मोह रूपी रावण की लात तो खाता है, पर अन्तत: गिरता पड़ता भगवान की शरण में जाता है। भगवान अंत:करण में अवतरित होकर, उतर कर, मोहादि का नाश कर देते हैं। और शान्ति रूपी सीता, जो मोह के कारण, हृदय रूपी अशोक वाटिका में बन्दी पड़ी थी, बंधन से मुक्त हो जाती है।

दुनिया एक रंगमंच है और हम सब बस एक किरदार

(27 मार्च विश्व रंगमंच दिवस पर विशेष)

वास्तव में रंगमंच जीवंत कला को समझने.सम्मानित करने का एक अवसर होता है। विश्व रंगमंच दिवस की शुरुआत 1961 में अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान;आईटीआईद्ध द्वारा की गई और 27 मार्च 1962 को पेरिस में थ्यिएटर ऑफ नेशंसष् सत्र के उद्घाटन के साथ मनाया गया। तभी से इस दिन को विश्वभर में विभिन्न कार्यक्रमोंए प्रस्तुतियोंए वार्ताओं और अन्य गतिविधियों के साथ मनाया जाने लगा। नाटक.अभिनय हर संस्कृति का अहम हिस्सा होते हैं।

ऋतुपर्ण दवे

ये वैश्विक स्तर पर समाज और रंगमंच के गहरे प्रभाव की न केवल याद दिलाते हैं बल्कि रंगमंचीय कलात्मकता और रचनात्मकता का जश्न भी मनाते हैं। यह एक ऐसा अवसर और कला का प्रदर्शन है जिससे समाज में सामाजिकए सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी सामने आते हैं। दुनिया भर में इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नाट्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं। इसी कड़ी में सबसे खास विश्व रंगमंच दिवस के संदेश का प्रसार होता हैए जिसमें अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान के बुलावे पर वैश्विक हस्तियां रंगमंच और शांति की संस्कृति विषय पर अपने विचार साझा करती हैं। इस आयोजन की शुरुआत करते हुए पहला विश्व रंगमंच दिवस संदेश 1962 में जीन कोक्ट्यू जो प्रख्यात फ्रांसीसी लेखकए नाटककार और निर्देशक थेए उनके द्वारा लिखा गया।

हर वर्षए थिएटर समुदाय में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति को अंतर्राष्ट्रीय रंगमंच संस्थान द्वारा विश्व रंगमंच दिवस संदेश की रचना हेतु चुना जाता हैए जो ग्रंगमंच और शांति की संस्कृतिष् यानी थिएटर एंड ए कल्चर ऑफ पीस की थीम पर आधारित होता है। रंगमंच की खूबसूरती इसी में है कि यह कल्पनाओं पर आधारित न होकर समाज में घटित घटनाओंए मानव भावनाओं और जीवन संघर्षों को प्रभावी ढंग से दर्शकों के समक्ष प्रस्तुत करता है। रंगमंच यानी थिएटर केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि उससे कहीं अधिक है। यह अभिव्यक्ति का प्रभावी और सशक्त जरिया है जो इंसानी अनुभवों और भावनाओं की विविधता को दर्शाता है। इसके जरिए प्राचीन ग्रीक त्रासदियों से अब तक तमाम प्रस्तुतियों का मंचन कर लगातार रंगमंच निखरता रहा है। सच कहें तो पीढ़ियों और संस्कृतियों के दर्शकों के हृदय को यही तो छूता है! दरअसल यह अपनी कहानी कहने का भी मंच प्रदान करता है। अवसर कुछ ऐसा होता है जिसमें व्यक्ति जटिल से जटिल विषयों का अन्वेषण करए चिंतन के लिए बढ़ सकता है। परिवर्तन की प्रेरणा को साकार मूर्त रूप देने का भी यह अवसर होता है।

चाहे समाज में जागरूकता बढ़ाना हो या अंधविश्वास उजागर करनाए इन सारे महत्वपूर्ण विषयों में थिएटर की भूमिका अहम होती है। कला के जरिए प्रोत्साहन का इससे बेहतर अवसर और मंच की आवश्यक्ता को यह सिध्द करता है। कार्यशालाओंए प्रदर्शनों और चर्चाओं के जरिए एक दूसरे की भाषा से अनभिज्ञ दुनिया भर के लोग रंगमंच के जादू और इसकी परिवर्तनकारी क्षमता का जश्न मनाते एक साथ आकर भाषा न समझे लेकिनए भावनाओं को समझते हैं। सच कहें तो रंगमंच न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता हैए बल्कि आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भागीदार होता है। रोजगार सृजन से लेकर पर्यटन के आकर्षण और आर्थिक विकास को गति देने में रंगमंच उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावाए रंगमंच रचनात्मकए आलोचनात्मक सोच और सहानुभूति को बढ़ावा देता हैए जो व्यक्तिगत और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक कौशल है। सांस्कृतिक आदान.प्रदान और संवाद को बढ़ावा देकरए रंगमंच विभिन्न पृष्ठभूमियों के व्यक्तियों के बीच दूरियों को कम करता है और समझ को बढ़ाता है। यह सहयोग और समन्वय भी प्रोत्साहित करता हैए जिससे समुदाय और अपनेपन की भावना विकसित होती है।

रंगमंच महज मनोरंजन का साधन न होकर समाज का आईना भी है। जिसमें हमेंए हमारी छवि साफ दिखती है। इसके जरिए समाज की हकीकत भी सामने आती हैं। मंच पर प्रस्तुत सारी कहानियांए संवाद और अभिनय कहीं न कहीं हमारे वास्तविक जीवन की किसी न किसी सच्चाई को प्रतिबिंबित करते हैं। इसका जरिया कुछ भी हो सकता है। चाहे ग्रीक ट्रैजेडी होए कॉमेडी या फिर लोकनाट्य या फिर हमारा मौजूदा थिएटर सबका मकसद एक ही होता है कि किस प्रकार समाज को जागरूक करेंए कैसे नई दिशा और दृष्टि देकरए सुधार ला सकें।

भारतीय रंगमंच के संदर्भ में देखें तो इसका बहुत पुराना इतिहास है जो वैदिक काल से जुड़ा हुआ है। इसे भरतमुनि के ष्नाट्य शास्त्रष् द्वारा औपचारिक रूप दिया गया जो कि नाटक पर एक जरूरी ग्रन्थ के रूप में दस्तावेज है। यह ईसा पूर्व 2000 और चौथी शताब्दी के बीच लिखा गया था। यह कहानी कहने की शैलियों से विकसित हुआ जिसमें सस्वर पाठए गायन और नृत्य शामिल थे। शास्त्रीय संस्कृत नाटकए पारंपरिक स्थानीय रूप और समकालीन रंगमंच शामिल हैं। भारतीय नाट्यशास्त्र नाटक के विभिन्न रूपों को न केवल वर्गीकृत करता है बल्कि रंगमंच में अभिनेताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली विधियों को भी रेखांकित करता है। पारंपरिक भारतीय रंगमंच नृत्य और नाटक को मिलाते हुए प्राय: हिंदू ग्रंथों में निहित कहानियों को भी प्रदर्शित करते हैं। कथकली विशेष उदाहरण है जिसमें जटिल वेशभूषा और श्रृंगार की विशेषताओं से युक्त अत्यधिक शैलीगत प्रदर्शन होता है।

भारत के संदर्भ में कई व्यावसायिक थियेटर ग्रुप अच्छा काम कर रहे हैं। इनसे जुड़कर अच्छे रोजगार की संभावनाएं भी बनती हैं और रंगमंच में पहचान अलग। रंगमंचीय अभिनयए निर्देशनए परिकल्पना और अन्य कई विधाएं जैसे कोरियोग्राफरए आर्ट डायरेक्टरए स्क्रिप्ट लेखक सेट डिजाइनरए लाइटए साउंड और तकनीक आदि हमारी कला और संस्कृति को जीवंत रखते हुए रोजगार और पहचान के भी बेहतरीन अवसर देती हैं। महान अंग्रेजी नाटककारए कवि अभिनेता रहे विलियम शेक्सपियर को भला कौन नहीं जानता होगा! उनके लिखे दार्शनिक शब्द आज भी यथार्थ के धरातल पर वैसे ही प्रभावी हैं जितना उन्होंने अपने जीवन काल 1564.1616 के दौरान लिखे थे। ऐसी ही अनेकों रचनाओं ने उन्हें महान नाटककार बनाया। शेक्सपियर आज भी थिएटर के जाने.माने प्रभावी व्यक्तित्व हैं। उनके लिखे शब्द श्सारा संसार एक रंगमंच है जिसमें सभी पुरुष.महिलाएं महज कलाकार हैं।

चैत्र नवरात्र पर प्रतिदिन प्रभात फेरी, सैकड़ों श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए शहर का भ्रमण कर रहे, जगह-जगह हो रहा स्वागत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चैत्र नवरात्र के अवसर पर इन दिनों भक्तिमय माहौल है एमसीबी जिला मुख्यालय में प्रतिदिन सुबह प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हो रहे हैं यह प्रभात फेरी भगवान श्रीराम और माता रानी के भजन-कीर्तन करते हुए शहर की गलियों में भ्रमण करती है। यह प्रभात फेरी प्रतिदिन शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से होकर गुजरती है श्रीराम मंदिर से शुरू होकर यह हर दिन एक नए मोहल्ले में पहुंचती है जिससे शहर के प्रत्येक क्षेत्र के लोगों को इसमें शामिल होने का अवसर मिलता है प्रभात फेरी के दौरान 'जय श्रीराम' के जयघोषों से पूरा शहर गूंज उठता है प्रभात फेरी का जगह-जगह स्वागत कई स्थानों पर स्थानीय नागरिक श्रद्धालुओं का स्वागत करते हैं वे फूल बरसाते हैं और जलपान की व्यवस्था भी करते हैं यह आयोजन युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों सहित सभी आयु वर्ग के लोगों की सक्रिय भागीदारी देख रहा है प्रभात फेरी का समापन प्रतिदिन श्रीराम मंदिर में होता है यहां विधिवत पूजा-अर्चना और आरती संपन्न की जाती है आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया जाता है इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन-कीर्तन की मनमोहक प्रस्तुतियां भी दी जाती हैं। श्रीराम मंदिर के सचिव रघुनाथ पोद्दार ने बताया कि आयोजन समिति द्वारा प्रभात फेरी को सुव्यवस्थित और अनुशासित ढंग से संचालित किया जा रहा है उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को मजबूत किया है बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश भी दिया है शहरवासियों का उत्साह और सहभागिता पारंपरिक धार्मिक आयोजनों के प्रति उनकी अटूट आस्था को दर्शाती है।

वाहन की टक्कर से तेंदुए की मौत,जंगल में भीड़ और शोर से घबराकर हाईवे पर आया

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। रात NH-27 पर एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक तेंदुए की मौत हो गई। यह घटना सुरवाया थाना क्षेत्र के भरकुली गेट से करीब 50 मीटर दूर रात लगभग 10 बजे हुई मृत तेंदुआ नर था और उसकी उम्र करीब 3 से 4 साल बताई जा रही है घटना के समय माधव टाइगर रिजर्व के अंदर स्थित मां बलारी मंदिर में मेला चल रहा था मेले में बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों के साथ पहुंचे थे आशंका जताई जा रही है कि तेज शोर-शराबे और भीड़ के कारण वन्य जीवों में डर फैल गया। इसी वजह से तेंदुआ जंगल से निकलकर हाईवे पर आ गया और वाहन की चपेट में आ गया। चैत्र नवरात्र (19 से 27 मार्च) के दौरान मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले को लेकर पहले ही बैठक में डीजे, लाउडस्पीकर और पशु बलि पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए गए थे लेकिन इनका पालन नहीं हो सका 24 और 25 मार्च को भी बड़ी संख्या में लोग जंगल क्षेत्र में पहुंचे और लाउडस्पीकर बजाए गए प्रतिबंध के बावजूद पशु बलि की भी जानकारी सामने आई है। पार्क प्रबंधन का कहना है कि शोर और अव्यवस्था के कारण वन्य जीव घबराकर बाहर आ गए जिससे यह हादसा हुआ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने तेंदुए के शव को कब्जे में ले लिया है।

काली मंदिर की जमीन पर कब्जे से ग्रामीणों में आक्रोश,पोहरी से कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीण

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पोहरी तहसील के ग्राम परिच्छा अहीर स्थित मां काली मंदिर परिसर की जमीन पर अतिक्रमण का मामला सामने आया है ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों ने मंदिर की जमीन पर कब्जा कर पक्के निर्माण कर लिए हैं जिससे आधे से अधिक परिसर प्रभावित हुआ है इस संबंध में गुरुवार को ग्रामीण कलेक्ट्रेट पहुंचे और मेले से पहले कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि इस अतिक्रमण को लेकर पहले भी पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम और जिला प्रशासन को कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं हालांकि, इन शिकायतों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है 25 मार्च को ग्रामीणों ने पोहरी प्रशासन को अंतिम चेतावनी भी दी थी लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। ग्रामीणों के अनुसार, 30 मार्च 2026 को मंदिर परिसर में एक भव्य मेले का आयोजन होना है। इस मेले में 5 से 10 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है अतिक्रमण के कारण मेले की व्यवस्थाओं और श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है ग्रामीणों ने कलेक्टर से मांग की है कि मामले की तत्काल जांच कराई जाए उन्होंने मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की अपील की है।

कोरिया कालरी को मिली 5.51 करोड़ की सौगात, दशकों पुरानी मांग पूरी

सिद्धबाबा मंदिर मार्ग सहित कई विकास कार्यों का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कोरिया कालरी क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग आखिरकार पूरी हो गई। कोरिया कालरी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 5 करोड़ 51 लाख 9 हजार रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया इन कार्यों में प्रमुख रूप से सिद्धबाबा मंदिर तक जाने वाली सड़क का निर्माण और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं कार्यक्रम में निगम महापौर राम नरेश राय, सभापति संतोष सिंह, एमआईसी सदस्य, वार्ड पार्षद, भाजपा के पदाधिकारी, स्थानीय नागरिक, श्रद्धालु एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखा गया। गौरतलब है कि सिद्धबाबा मंदिर तक जाने वाली सड़क वर्षों से जर्जर हालत में थी, जिसके कारण श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था विशेष रूप से बरसात के मौसम में स्थिति और खराब हो जाती थी इस समस्या को लेकर स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे अब भूमिपूजन के साथ ही इस महत्वपूर्ण मार्ग के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है जिससे श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा कोरिया कालरी क्षेत्र में अन्य विकास कार्यों को भी स्वीकृति दी गई है। इनमें कोरिया कालरी शाखा उद्यान का सौंदर्यीकरण प्रमुख है जो क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि आज का दिन कोरिया कालरी के लिए ऐतिहासिक है उन्होंने कहा कि जहां भी वे जाते थे लोगों की पहली मांग सड़क निर्माण को लेकर होती थी उन्होंने स्वीकार किया कि कार्य में समय लगा लेकिन सरकारी प्रक्रियाओं के तहत अब इसे नगर उत्थान योजना में शामिल कर पूरा किया जा रहा है मंत्री ने यह भी बताया कि शाखा शिव मंदिर से संबंधित मांगों को ध्यान में रखते हुए लगभग 3.5 करोड़ रुपये की लागत से वहां भी विकास कार्य किए जाएंगे जिससे क्षेत्र का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व और बढ़ेगा उन्होंने आगे कहा कि कोरिया कालरी को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है क्षेत्र में अस्पताल की समस्या का समाधान किया जा चुका है, जबकि जल आपूर्ति योजना अंतिम चरण में है और जल्द ही हर घर में नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा बिजली ट्रांसफार्मर की समस्या को भी चरणबद्ध तरीके से दूर किया जा रहा है मंत्री ने महापौर को निर्देश देते हुए कहा कि वे वार्डों का दौरा कर छोटी-छोटी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने जिला अस्पताल और साजा पहाड़ सड़क से संबंधित योजनाओं की भी जानकारी साझा की और 'सबका साथ, सबका विकास' के संकल्प को दोहराया।

माता की प्रतिमा तोड़ने वाला आरोपी गिरफ्तार : पुलिस ने मंदिर तक पैदल ले जाकर कराया जुर्म कबूल

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कुटवारा गांव में काली माता मंदिर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने के आरोपी दानवीर जाटव को पुलिस ने गुरुवार को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी दानवीर जाटव को गांव में पैदल घुमाते हुए उसी काली माता मंदिर तक ले गई जहां उसने प्रतिमा तोड़ी थी मंदिर परिसर में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार किया। इंदार थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि बुधवार को कुटवारा निवासी शेवेन्द्र लोधी (34) और अन्य ग्रामीणों ने शिकायत दर्ज कराई थी उन्होंने आरोप लगाया था कि गांव के दानवीर जाटव (29) ने मंदिर में घुसकर माता की प्रतिमा को पत्थर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया जिससे उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुईं इस शिकायत के आधार पर इंदार थाने में मामला दर्ज किया गया। जांच के बाद पुलिस टीम ने आरोपी दानवीर जाटव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पिछले साल उसके भाई की हत्या हो गई थी उसका मानना था कि यदि माता ने उस समय सहयोग किया होता तो उसके भाई की जान बच सकती थी इसी गुस्से में आकर उसने यह कृत्य किया।

दुकान से दूर सड़क पर रखा सामान, इंदिरा चौक के 2 दुकानदारों पर नगर पालिका के दल पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम(निप्र)। शहर के इंदिरा चौक पर सड़क पर सामान रखकर यातायात बाधित करने वाले दो दुकानदारों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है पैदल मार्च के दौरान दुकानों के बाहर सामान रखे मिलने पर 'शिव फर्नीचर' और 'अनिल बूट हाउस' के संचालकों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 के तहत जनसामान्य के मार्ग में व्यवधान उत्पन्न करने का केस दर्ज किया गया है पुलिस ने इससे पहले 24 मार्च को भी अतिक्रमण न करने की समझाइश दी थी पुलिस की कार्रवाई के बाद अतिक्रमण हटाने में नाकाम रहे नगर पालिका के अतिक्रमण दल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं पुलिस अब इस प्रकरण का चालान जल्द ही न्यायालय में पेश करने की तैयारी कर रही है पुलिस ने पैदल मार्च के दौरान सड़क पर सामान रखकर मार्ग अवरुद्ध करने पर शिव फर्नीचर के संचालक राजेंद्र खत्री (निवासी ग्वालटोली) और अनिल बूट हाउस के संचालक अमित लखवानी (निवासी सिंधी कालोनी कृष्णापुरी) के खिलाफ कार्रवाई की है। दोनों के खिलाफ सार्वजनिक रोड पर मार्ग अवरुद्ध कर जनसामान्य के यातायात के उपयोग में लाये जाने वाले मार्ग पर व्यवधान उत्पन्न करने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है इससे पहले 24 मार्च को एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने कोतवाली टीआई के साथ मिलकर सतरास्ते से इंदिरा चौक और जिला अस्पताल तक पेट्रोलिंग की थी इस दौरान पुलिस ने दुकानदारों को सड़क पर अतिक्रमण न करने की समझाइश दी थी हालांकि, पुलिस की इस समझाइश का दुकानदारों पर कोई असर दिखाई नहीं दिया और बुधवार रात निरीक्षण के दौरान भी यही स्थिति (सड़क पर सामान) सामने आई। इसके बाद पुलिस ने उक्त दोनों दुकानदारों पर यह कार्रवाई की। सड़क से अतिक्रमण हटाने की मुख्य जिम्मेदारी नगर पालिका के अतिक्रमण दल की होती है जिम्मेदारी होने के बावजूद नगर पालिका की टीम अतिक्रमण नहीं हटा पा रही है जिसके चलते पुलिस को सड़क पर उतरकर यह कार्रवाई करनी पड़ी पुलिस की इस कार्रवाई से नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं टीआई बोलीं- शीघ्र न्यायालय में पेश किया जाएगा चालान कोतवाली टीआई कंचन ठाकुर ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 'दुकानदारों के विरुद्ध धारा 285 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में शीघ्र ही चालान न्यायालय में पेश किया जाएगा' पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सड़क पर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

सिम्स डॉक्टरों ने निकाली बंदूक की गोली, जटिल ऑपरेशन कर मरीज का पैर बचाया

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। सिम्स के डॉक्टरों ने एक जटिल ऑपरेशन कर मरीज के जांघ से बंदूक की गोली सफलतापूर्वक निकाल दी इस प्रक्रिया से मरीज का पैर बचा लिया गया जिसे गंभीर हालत में पामगढ़ अस्पताल से सिम्स रेफर किया गया था। पंकज कश्यप को 23 मार्च को जांघ में गोली लगने के बाद गंभीर अवस्था में सिम्स लाया गया था गोली महत्वपूर्ण रक्त वाहिकाओं के बेहद करीब फंसी हुई थी जिससे पैर में संक्रमण का गंभीर खतरा था। मरीज की चिंताजनक स्थिति को देखते हुए सिम्स के डॉक्टरों ने तुरंत इमरजेंसी ऑपरेशन का फैसला लिया हड्डी रोग विभाग के डॉ. तरुण सिंह ने बताया कि शरीर में गोली में रहने से इन्फेक्शन का डर हो सकता था इसलिए बिना देर किए सर्जरी की जरुरत थी डॉ. सिंह ने बताया कि गोली जांघ की प्रमुख रक्त नसों के बेहद पास फंसी हुई थी जिससे ऑपरेशन काफी चुनौतीपूर्ण हो गया था हालांकि पूरी सावधानी और तकनीकी दक्षता के साथ सर्जन टीम ने सफलतापूर्वक बुलेट को बाहर निकाल लिया और मरीज के पैर को बचा लिया।

कोलारस में 751 फीट लंबी चुनरी यात्रा,मां काली दरबार में की अर्पित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस कस्बे में गुरुवार सुबह 751 फीट लंबी चुनरी यात्रा निकाली गई यह यात्रा प्रतिवर्ष मां काली दरबार में चुनरी अर्पित करने के लिए आयोजित की जाती है इस वर्ष भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु इसमें शामिल हुए जो सुबह 7 बजे रामलीला मैदान से शुरू हुई। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों मानीपुरा, ए.बी. रोड, जगतपुर एप्रोच रोड सदर बाजार और कोली मोहल्ला से होकर गुजरी। इस दौरान पूरा नगर माता के जयकारों से गूंज उठा डीजे पर बजते भजनों के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह देखा गया। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों और नागरिकों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से चुनरी लेकर माता के दरबार तक यात्रा पूरी की जहां मां काली को विधि-विधान से चुनरी अर्पित की गई आयोजकों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी यात्रा में भारी संख्या में भक्त शामिल हुए। पूरे नगर ने इस आयोजन को एक उत्सव के रूप में मनाया।

अवैध उत्खनन पर सख्ती, 14 वाहन जब्त ,जिले में नहीं थम रहा अवैध उत्खनन और परिवहन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। खनिज विभाग के दावों के बाद भी जिले में रेत और मिट्टी का अवैध उत्खनन और परिवहन धड़ल्ले से हो रहा है इस दौरान अफसरों ने मैदानी इलाकों में जाकर तीन दिन में जेसीबी, हाईवा और ट्रैक्टर समेत 14 वाहनों को जब्त किया है जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन के खिलाफ कलेक्टर संजय अग्रवाल ने सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं लेकिन खनिज विभाग के अफसरों की लापरवाही और उदासीनता के चलते शहर से लेकर गांव तक खनिज माफिया सक्रिय हैं जो रात के साथ-साथ दिन में खुलेआम अवैध उत्खनन और परिवहन कर रहे हैं कलेक्टर अग्रवाल की संख्ती के बाद खनिज के साथ ही राजस्व और पुलिस की टीम ने अभियान चलाकर संयुक्त रूप से कार्रवाई की इस दौरान तीन दिनों तक चले अभियान में 14 वाहनों को जब्त किया गया है जिनमें 1 जेसीबी, 3 हाईवा और 10 ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल हैं। खनिज विभाग की टीम ने 23 से 25 मार्च के बीच काठकोनी, देवरीखुर्द, खम्हरिया, सकरी, निरतु, सेंदरी, मंगला, तुर्काडीह, लोखंडी, लोफंदी, दरीघाट, लावर, जयरामनगर, कोटा, करही कच्छार सहित कई क्षेत्रों में जांच अभियान चलाया जांच के दौरान खम्हरिया क्षेत्र में अवैध रूप से मिट्टी उत्खनन करते हुए 1 जेसीबी और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया गया। सकरी क्षेत्र में मिट्टी-ईंट का अवैध परिवहन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं। जयरामनगर क्षेत्र में गिट्टी का अवैध परिवहन करते 3 हाईवा और 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई वहीं सेंदरी क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं इसके अलावा करही कच्छार, पहंदा और लोफण्डी क्षेत्रों से भी रेत के अवैध परिवहन में लिप्त 3 अन्य ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किए गए। पुलिस अभिरक्षा में रखे गए जब्त वाहनजब्त सभी 14 वाहनों को पुलिस थाना कोनी, कोटा, पुलिस सहायता केंद्र केंदा और जांच चौकी लावर में सुरक्षित रखा गया है। खनिज विभाग के उप संचालक किशोर कुमार गोलघाटे का कहना है कि, खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चैनपुर में बनेगा भव्य जिला पंचायत भवन, 3.01 करोड़ की लागत से हुआ भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के विकास इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय उस समय जुड़ गया, जब चैनपुर में 3 करोड़ 1 लाख 32 हजार रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक जिला पंचायत भवन का भव्य भूमि पूजन समारोह संपन्न हुआ पूरे उत्साह, श्रद्धा और गरिमा के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों की भागीदारी देखने को मिली कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ भूमि पूजन से हुई जिसे मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने संपन्न किया। इसके बाद राष्ट्र के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया तथा राज्य गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति ने वातावरण को देशभक्ति और गौरव से भर दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, जिला अध्यक्ष चंपादेवी पावले, मनेंद्रगढ़ नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष प्रतिमा सरजू यादव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र पटवा, जिला पंचायत सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि मंच पर उपस्थित रहे सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसडीएम लिंगराज सिदार ने कहा कि यह दिन एमसीबी जिले के लिए गर्व और सौभाग्य का प्रतीक है।

नाबालिग लड़के को पालतू कुत्ते ने काटा13 साल का मासूम चीखा तो लोग आए क्रिकेट खेलते समय पानी पीकर लौट रहा था बच्चा

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)।मन्दसौर शहर के घटना जमींदार कॉलोनी क्षेत्र से एक घटना सामने आई है, जिसमें पालतू कुत्ते के हमले में एक 13 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया। बुधवार शाम बच्चा अपने घर के पास क्रिकेट खेल रहा था। तभी उसे पानी की प्यास लगी वह पानी पीकर लौट रहा था इसी दौरान कॉलोनी में घूम रहे एक पालतू कुत्ते ने अचानक उस पर हमला

कर दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कुत्ते ने झपट्टा मारते हुए बच्चे को पकड़ लिया और उसके पेट व हाथ सहित शरीर के कई हिस्सों पर काट लिया। हमले के दौरान मासूम ने खुद को बचाने की कोशिश भी की लेकिन कुत्ता लगातार हमला करता रहा। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और मशक्कत के बाद उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया।घटना से इलाके में मचा हड़कंप घटना के बाद जमींदार कॉलोनी में हड़कंप मच गया। परिजन और स्थानीय लोग तत्काल घायल बच्चे को मंदसौर जिला चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां उसका उपचार शुरू करते हुए एंटी-रेबीज इंजेक्शन दिया गया है। जिला अस्पताल में डॉक्टरों की टीम द्वारा बच्चे का प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों के अनुसार बच्चे के शरीर पर कई जगह गहरे घाव हैं। उसे एंटी-रेबीज इंजेक्शन सहित आवश्यक चिकित्सा दी जा रही है और उसकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

गेहूं के खेत में बिजली का तार गिरने से फसल जलकर खाक

मीडिया ऑडीटर,शाहपुर (निप्र)। बरेलीपार गांव में किसान मोहन पिता मकल सरियाम के खेत में बुधवार 12 बजे बिजली का तार टूटकर गिरने से गेहूं की फसल ने आग पकड़ ली। संतोष सरियाम ने बताया तार गिरने से दो खेतों में गेहूं की फसल जल गई।ग्रामीणों ने बिजली कंपनी को सूचना दे बिजली बंद कराकर आग पर काबू किया। घटना के समय गांव

में सभी लोग मौजूद थे खेत गांव से लगा हैं सभी लोग आग देखकर दौड़े और आग बुझा ली। आसपास सभी खेतों में गेहूं की फसल कटाई को तैयार खड़ी है। ग्रामीणों की तत्परता से बड़ी घटना टल गई।

पंपों पर आसानी से मिल रहा पेट्रोल, भीड़ कम हुई

मीडिया ऑडीटर, देवास, (निप्र)। एजेंसी।देवास में पिछले दो दिनों से पेट्रोल पंपों पर अफवाह के कारण भारी भीड़ देखी गई। लोग बड़ी संख्या में अपनी गाड़ियों में डीजल-पेट्रोल भरवाने के लिए कतारों में खड़े थे।

हालांकि, प्रशासन की लगातार अपील के बाद आज शहर में स्थिति सामान्य हो गई है।शहर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर अब सामान्य भीड़ है और लोगों को रोज की तरह ईंधन मिल रहा है। यह भीड़ पिछले दो दिनों से बनी हुई थी, जिसमें लोग अनावश्यक रूप से ईंधन जमा कर रहे थे।पिछले दो दिनों में ईंधन की अत्यधिक खपत के कारण कुछ पेट्रोल पंपों पर स्टॉक खत्म हो गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

भोपाल रोड स्थित कलेक्टर कार्यालय के पास का एक पेट्रोल पंप सुबह से दोपहर तक बंद रहा, जहां कर्मचारियों ने वाहनों का प्रवेश रोक दिया था। इसी तरह, देवास बायपास पर भी एक पेट्रोल पंप पर स्टॉक खत्म होने के कारण वाहन चालकों को ईंधन नहीं मिल पाया।

प्रशासन शहर सहित जिले के लोगों से लगातार अपील कर रहा है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जिले के पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है और लोगों को अनावश्यक रूप से ईंधन जमा नहीं करना चाहिए।

नर्मदापुरम में विवाहित महिला से युवक ने किया रेप

मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर में 2 बच्चों की मां से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया। आरोपी युवक ने महिला को माखननगर के राधे राधे लॉज में ले जाकर शादी का झांसा देकर रेप किया। बाद में शादी करने से इनकार कर दिया। जिसके बाद बुधवार रात को पीड़िता ने थाने पहुंचकर रेप का केस दर्ज कराया। जानकारी के मुताबिक आरोपी दीपक है। पीड़िता की उम्र 30 साल है और उसके दो बच्चे है। पीड़िता के पड़ोस में ही आरोपी रहता है। उसने पीड़िता को शादी का झांसा देकर 25 फरवरी को माखननगर के राधे राधे लॉज ले गया। रूम लेकर उसने गलत हरकत की। आरोपी ने कुछ दिन बाद शादी करने से इनकार कर दिया। जिसके बाद पीड़िता शिकायत करने बुधवार रात को थाने पहुंची। थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने बताया शादीशुदा महिला ने आरोप लगाया आरोपी उसे झांसा देकर होटल ले गया। वहां उससे रेप किया। मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को अरेस्ट कर लिया।

शादी में खाने के बाद 200 से ज्यादा बीमार

सीहोर में फूड पॉइजनिंग के बाद अचानक अस्पताल पहुंचने लगे लोग

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले के इछावर तहसील के ग्राम बबड़िया नोआबाद में बुधवार रात शादी समारोह में खाने के बाद 200 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। इन लोगों ने समारोह में तकरीबन 1200 से अधिक लोगों के साथ भोजन किया था।

देर रात इन लोगों को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी। इसके बाद इछावर स्वास्थ्य केंद्र में फूड पॉइजनिंग के मरीज पहुंचने लगे। मरीजों की अचानक बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी गई फूड विभाग मौके पर पहुंचा सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और तत्काल एक टीम इछावर रवाना की। जिला अस्पताल में

भी आपातकालीन स्थिति घोषित कर डॉक्टरों, पैरामेडिकल और नर्सिंग स्टाफ को बुला लिया गया। फूड पॉइजनिंग के मरीजों के लिए दो वार्ड आरक्षित किए गए। इछावर से मिली जानकारी के अनुसार, 50 से अधिक मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। करीब 15 मरीज अभी भी इछावर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती हैं, जबकि 2 मरीजों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह भी बताया गया है कि भर्ती मरीजों में अधिकतर अधिक उम्र के लोग हैं, जिन पर फूड पॉइजनिंग का असर ज्यादा हुआ है। कुछ मरीजों के निजी अस्पतालों में भी इलाज कराने की खबरें हैं।

खाने के सैंपल जांच के लिए भेजे

इस बीच, एसपीएम के नेतृत्व में एक टीम घटना स्थल पर रवाना हो गई है और समारोह में बनी भोजन सामग्री के नमूने लिए जा रहे हैं। मामले में इछावर थाना प्रभारी पंकज वाडेकर ने बताया कि बबड़िया गांव में बंसीलाल के विवाह समारोह में भोजन के बाद कुछ लोगों के बीमार होने की सूचना मिली थी। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। पुलिस का इस मामले में कोई सीधा दखल नहीं है।

राज्यमंत्री पीड़ितों से मिलने पहुंचे

गुरुवार को राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा बीमार हुए लोगों से मिलने अस्पताल पहुंचे हैं। उन्होंने कहा है कि रायता खाने से लगभग 160 लोग बीमार हुए हैं। सभी को पर्याप्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है,लोगों के इलाज में पैसों की कमी नहीं आने दी जाएगी।

सड़क पार कर रही वृद्धा को ट्रक ने मारी टक्कर में इलाज के दौरान मौत

मीडिया ऑडीटर,बैतूल (निप्र)। बैतूल जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक सड़क हादसे में 65 वर्षीय महिला की मौत हो गई। यह घटना ग्राम खेड़ीसावलीगढ़ बस स्टैंड के पास सुबह करीब 9 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, खेड़ी के पांढरी ढाना निवासी सुन्दा बाई (65) सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन सहित खुद ही खेड़ी पुलिस चौकी पहुंच गया, जहां पुलिस ने उसे अभिरक्षा में ले लिया। सूचना मिलते ही आरक्षक ओमप्रकाश यदुवंशी मौके पर पहुंचे और 112 वाहन की मदद से घायल महिला को तत्काल जिला अस्पताल बैतूल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने महिला का उपचार शुरू किया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

परिजनों ने बताया कि सुन्दा बाई मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं। उनके परिवार में तीन बेटियां हैं। उनकी मौत से परिवार को गहरा आघात लगा है।

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक चालक से पूछताछ जारी है।

आदतन अपराधी जिलाबदर, पुलिस ने सीमा से बाहर छोड़ा 4 माह के लिए

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। अपराध पर अंकुश लगाने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के तहत बहरोल थाना क्षेत्र के निगरानी बदमाश को जिलाबदर किया गया है। जिलादंडाधिकारी ने एसपी के प्रतिवेदन पर आरोपी पप्पू उर्फ देशराज पिता श्रीराम यादव निवासी नीमोन को 4 माह के लिए जिलाबदर करने का आदेश जारी किया है।

जिसमें आरोपी को सागर जिला समेत आसपास के जिलों की सीमा में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश जारी होते ही पुलिस ने आरोपी पप्पू उर्फ देशराज यादव को आदेश तामील किया। उसे हिरासत में लेकर जिले की सीमा से बाहर छोड़ा गया।

पुलिस आरोपी पप्पू उर्फ देशराज को अपने साथ उत्तरप्रदेश के ललितपुर जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में लेकर पहुंची। जहां उसे छोड़ा गया। साथ ही हिदायत दी गई कि जिलाबदर अवधि के बीच वह प्रतिबंधित सीमा में प्रवेश न करें।

यदि कोर्ट में पेशी है तो वह पुलिस

थाने में सूचना देकर जिले में आ सकता है। पेशी करने के तुरंत बाद जिलाबदर आदेश का पालन करते हुए सीमा से बाहर जाना होगा।

बहरोल थाना प्रभारी धर्मेंद्र लोधी ने बताया कि आरोपी पप्पू उर्फ देशराज यादव आदतन अपराधी है। वह लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त था। उसके खिलाफ आमजन में भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित हो रहा था। आरोपी की गतिविधियों से क्षेत्र की शांति और कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा था।

जिसको देखते हुए जिलाबदर का प्रतिवेदन तैयार किया गया था। जिलाबदर आदेश जारी होते ही आरोपी को हिरासत में लिया गया। उसे जिले की सीमा से बाहर छोड़ा गया है।

पामाखेड़ी डकैती केस में 9 आरोपी अरेस्ट 6 फरार खंडवा एसपी बोले- वारदात का मास्टरमाइंड डॉक्टर शहजाद

मीडिया ऑडीटर, खंडवा,(निप्र)। खंडवा जिले के पामाखेड़ी गांव में 12 मार्च को हुई सनसनीखेज डकैती का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में अब तक 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि 6 आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटी गई 12 बोर बंदूक, 27 कारतूस और 1.60 लाख रुपए नगद सहित वारदात में इस्तेमाल की गई कारें भी जब्त की हैं।

फरियादी ललित सोलंकी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 12 मार्च की सुबह करीब 6:30 बजे 7-8 बदमाश काले रंग की बिना नंबर की स्कॉर्पियो से आए। इनमें से कुछ ने खाकी वर्दी पहन रखी थी और खुद को क्राइम ब्रांच का अधिकारी बताकर घर में घुस गए।

बदमाशों ने घर के तीन नौकरों के साथ मारपीट कर उन्हें बांध दिया और कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद अलमारी और लॉकर तोड़कर 1.60 लाख रुपए नकद और 12 बोर बंदूक लूटकर फरार हो गए।

पुलिस ने ऐसे सुलझाया केस : घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय के निर्देशन में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी फुटेज, मुखबिर सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई।

जांच के दौरान पता चला कि इसी गैंग ने धार जिले में भी इसी तरह की वारदात को अंजाम दिया था। इसके बाद खंडवा, धार और शाजापुर पुलिस की संयुक्त टीम ने दबिश देकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

मास्टरमाइंड डॉक्टर शहजाद : पुलिस के मुताबिक इस पूरी वारदात का मास्टरमाइंड डॉक्टर शहजाद है, जिसने गैंग बनाकर दोनों डकैती की घटनाओं को अंजाम दिया। आरोपी नरसिंह को जेल में मिली जानकारी के आधार पर पामाखेड़ी में बड़ी लूट की योजना बनाई गई थी।

इलाके की रेकी, नकली पुलिस बनकर घुसे :

आरोपियों ने पहले इलाके की रेकी की, फिर 11 मार्च की रात को एकत्र होकर योजना बनाई। 12 मार्च की सुबह दो गाड़ियों से पहुंचे बदमाशों ने नकली पुलिस अधिकारी बनकर घर में प्रवेश किया और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद सभी आरोपी वापस बेरछा पहुंचे और वहां जश्न मनाया।

12 बोर बंदूक, 27 कारतूस, 1.60 लाख रुपए नगद और बिना नंबर की स्विफ्ट कार, एक स्कॉर्पियो। पुलिस 6 फरार आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। गिरफ्तार आरोपियों को रिमांड पर लेकर उनसे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने आया :

जांच में सामने आया है कि गैंग के कई सदस्य पहले से चोरी, लूट, अपहरण और धोखाधड़ी जैसे मामलों में शामिल रहे हैं। पूरे मामले के खुलासे में खंडवा, धार और शाजापुर पुलिस की संयुक्त टीम, साइबर सेल और स्थानीय पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नौगांव में ट्रक की चपेट में आया बाइक सवार

घायल युवक को पिकअप से अस्पताल पहुंचाया जिला अस्पताल रेफर

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव में बुधवार देर रात नौगांव-टीकमगढ़ रोड पर एक सड़क हादसा हो गया। धर्म कांटे के पास ट्रक के बैक करते समय एक बाइक सवार उसकी चपेट में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, गरौली रोड स्थित धर्म कांटे पर वजन कराने के बाद ट्रक क्रमांक ष्टत 04 छ्ष्ठ 6702 बैक हो रहा था। इसी दौरान टीकमगढ़ की ओर जा रहा बाइक सवार युवक ट्रक से टकरा गया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव ले जाया गया।

अस्पताल नहीं मिली तो पिकअप से लाए अस्पताल : घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए एंबुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। इसके चलते उसे एक पिकअप वाहन से अस्पताल लाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद युवक की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

घायल युवक ने अपना नाम जय प्रकाश राजपूत, पिता जयहिंद राजपूत, निवासी सिमराखुर्द, जिला टीकमगढ़ बताया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

छेड़छाड़ की शिकायत की, कार्रवाई नहीं हुई तो नस काटी

मीडिया ऑडीटर,सीहोर, (निप्र)। सीहोर के शासकीय गर्ल्स कॉलेज में बीए थर्ड ईयर की एक छात्रा ने बुधवार रात छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई न होने से आहत होकर अपनी कलाई की नस काट ली।छात्रा का आरोप है कि 10 मार्च को कॉलेज के प्रोफेसर रामविकास प्रजापति ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी, जिसकी शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। वर्तमान में छात्रा को उपचार के लिए जिला अस्पताल सीहोर में भर्ती कराया गया है और पुलिस ने छात्रा के बयान दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्राचार्य पर मामला रफा-दफा करने का आरोप : बीए थर्ड ईयर की छात्रा का आरोप है कि 10 मार्च को कॉलेज के प्रोफेसर रामविकास प्रजापति ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी। छात्रा ने इस घटना की शिकायत कॉलेज की प्राचार्य मंजरी अग्निहोत्री से की थी। छात्रा के अनुसार, उसने अपनी मां को भी

इस बारे में बताया था। छात्रा की मां ने भी कॉलेज पहुंचकर प्राचार्य से शिकायत की थी। आरोप है

5 लाख रुपए लेने की उड़ाई अफवाह : छात्रा लगातार छेड़छाड़ के मामले में कार्रवाई की मांग कर रही थी। इसी बीच कॉलेज में यह अफवाह फैला दी गई कि छात्रा की मां ने प्रोफेसर से 5 लाख रुपये लिए हैं। छात्रा ने 5 लाख रुपए लेने की अफवाह का स्पष्ट खंडन किया है। छात्रा ने यह भी आरोप लगाया है कि शिकायत के बाद से कॉलेज की प्राचार्य और दो प्रोफेसर उसे धमकियां दे रहे हैं। उसने कॉलेज की प्राचार्य को भी आवेदन दिया था और कार्रवाई की मांग की थी।

रात को छात्रा ने अचानक अपनी कलाई की नस काट ली : एसडीओपी बोलीं- बयान दर्ज किए इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। एसडीओपी पूजा शर्मा ने बताया कि, 'छात्रा के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और इन बयानों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है।' एसडीओपी पूजा शर्मा ने बताया कि 23 मार्च को शासकीय कन्या महाविद्यालय की छात्रा द्वारा आवेदन दिया गया था कि उसके साथ उसी के महाविद्यालय के एक प्रोफ़ेसर द्वारा छेड़-छाड़ कर बुरी नियत से छुआ गया है।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार लापरवाही ना हो: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज कुरवाई तहसील क्षेत्र के भ्रमण दौरान स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लायरा का औचक निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि स्वाथ्य सेवाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार कि लापरवाही ना हो उन्होंने कई व्यवस्थाओं में सुधार लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने स्वास्थ्य केंद्र में साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, मरीजों के उपचार, रिकॉर्ड संधारण एवं स्टाफ की उपस्थिति का गहन निरीक्षण किया।

दिल्ली को 144 साल बाद मिलेगा दूसरा क्रिकेट स्टेडियम

हरमनप्रीत कौर के नाम पर होगा 'पिंक स्टैंड', स्विमिंग पूल में रहकर भी देख पाएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण के साथ मिलकर पीपीपी मॉडल पर रियल एस्टेट डेवलपर ओमैक्स लिमिटेड द्वारका स्थित 'द ओमैक्स स्टेट' में एक क्रिकेट स्टेडियम बनाएगा। इस स्टेडियम में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के नाम पर भी एक स्टैंड होगा। हरमनप्रीत कौर स्टैंड को 'पिंक स्टैंड' के नाम जाना जाएगा। यह स्टैंड स्टेडियम के नॉर्थ पवेलियन लोअर बाउल में होगा। इसमें 1500 से ज्यादा सीटें होंगी। यह घोषणा बुधवार 25 मार्च 2026 को प्रोजेक्ट साइट पर हरमनप्रीत कौर की मौजूदगी में ओमैक्स लिमिटेड के एमडी मोहित गोयल और बिजनेस हेड अवनीत सोनी ने की।

महिलाओं को समर्पित होगा 'हरमनप्रीत कौर स्टैंड'- खास यह है कि 'पिंक स्टैंड' विशेष रूप से महिलाओं और परिवारों के लिए डिजाइन किया गया है, ताकि स्टेडियम में उनकी भागीदारी बढ़े। हरमनप्रीत कौर के सुझावों के आधार पर इस अवधारणा को विकसित किया गया।

1883 में दिल्ली को मिला था पहला स्टेडियम- अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोज शाह कोटला स्टेडियम) 1883 में बनकर तैयार हुआ था। अरुण जेटली स्टेडियम की दर्शक क्षमता 39 हजार के आसपास है। वहीं 'द ओमैक्स स्टेट' में तैयार होने वाले क्रिकेट स्टेडियम की दर्शक क्षमता 30 हजार से ज्यादा होगी।

स्टेडियम में होने वाली प्रमुख सुविधाएं

हरमनप्रीत कौर के सुझावों के आधार पर स्टेडियम में महिला और पैरा-एथलीटों के लिए समर्पित ड्रेसिंग रूम और विशेष सुविधाएं शामिल की गई हैं।

'5-इन-1' मॉडल पर आधारित यह देश का पहला एकीकृत स्पोर्ट्स और लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन होगा, जिसमें खेल, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, फूड और सोशल स्पेस को एक साथ जोड़ा जाएगा।

2500 करोड़ रुपये की साझेदारी में बनने वाले इस स्टेडियम को ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी के नजरिये से तैयार किया जा रहा है।

बारिश के बाद मैदान को तुरंत फिर से खेलने लायक तैयार करने के लिए 'क्विक-ड्राई' तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

स्टेडियम में 55 हजार वर्ग मीटर का स्टेडियम ब्लॉक और 30 हजार वर्ग मीटर का इंडोर-आउटडोर स्पोर्ट्स सेंटर (बास्केटबॉल, ई-स्पोर्ट्स आदि के लिए) होगा।

तीन हजार क्षमता वाला प्रीमियम स्पोर्ट्स क्लब, इनफिनिटी पूल होगा। इनफिनिटी पूल का मतलब- दर्शक स्विमिंग पूल में रहते हुए लाइव क्रिकेट मैच का आनंद ले पाएंगे।

इसके अलावा स्टेडियम में कैफे, को-वर्किंग स्पेस और खिलाड़ियों के लिए डॉर्मिटरी जैसी सुविधाएं भी होंगी।

वीआईपी और खिलाड़ियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए होटल से स्टेडियम तक एक अंडरग्राउंड टनल का निर्माण किया जाएगा।

'हर समय रील्स बनाने में लगे रहते हैं'

अभिषेक पर भड़के योगराज; कहा- युवराज जैसा बनने में दूसरा जन्म लगेगा

नई दिल्ली। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह आईपीएल 2026 से ठीक पहले भारत और सनराइजर्स हैदराबाद के बैटर अभिषेक शर्मा पर भड़क गए। योगराज सिंह ने अभिषेक पर अनुशासनहीन होने का आरोप लगाते हुए उनकी कड़ी आलोचना की और दावा किया कि अभ्यास पर ध्यान देने के बजाय सबसे टीम टी20 वर्ल्ड कप 2026 की विजेता बनी है तब से ये बल्लेबाज रील्स बनाने में लगा हुआ है।

रील्स बनाना नहीं है अभिषेक का काम

अभिषेक टी20 वर्ल्ड कप 2026 में फाइनल को छोड़कर कुछ खास नहीं कर पाए थे। इसके बारे में बात करते हुए योगराज ने इनसाइड स्पोर्ट्स पर कहा कि आप इसलिए नाकाम होते हो क्योंकि दिमाग कहीं और होता है। शुभमन गिल के साथ क्या हो रहा है, अभिषेक। नाकामी तभी आती है जब दिमाग कहीं और भटक जाता है और अभिषेक के साथ भी यही हो रहा है। ये लड़का इधर-उधर घूमकर रील्स बनाता रहता है जबकि ये उसका काम नहीं है। उसे तो रात 9 बजे सो जाना चाहिए और सुबह 5 बजे उठकर प्रैक्टिस करनी चाहिए और रोज 1000 गेंदें खेलनी चाहिए। युवराज के करीब पहुंचने में दूसरा जन्म लगेगा- योगराज का मानना ??है कि अभिषेक शर्मा को उनके बेटे के करीब पहुंचने में अभी और समय लगेगा। उन्होंने कहा कि युवराज सिंह के करीब पहुंचने में उसे अभी एक और जन्म लगेगा।

PL 2026: खिलाड़ियों और स्टाफ के लिए BCCI ने लागू किए सख्त नियम

जर्सी से नेट्स तक नजर, हर उल्लंघन पर एक्शन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 से पहले सख्त संदेश दिया है। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के लिए कुल 18 नए नियम लागू किए गए हैं, जिनमें अभ्यास से लेकर मैच डे (जिस दिन मुकाबला होना है) और जर्सी तक हर पहलू को कवर किया गया है। बीसीसीआई ने साफ किया है कि अब किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जिसमें जुर्माना और चेतावनी शामिल हैं। नए सीजन से पहले जारी ये दिशा-निर्देश इस बात का संकेत हैं कि आईपीएल 2026 में अनुशासन ही सबसे बड़ा नियम होने वाला है। आईपीएल का नया संस्करण 28 मार्च 2026 से शुरू होने वाला है। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 28 मार्च को बेंगलुरु स्थित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले बीसीसीआई ने सभी टीम मैनेजरों को अपडेटेड नियम-पुस्तिका भेजी है ताकि पूरे सीजन में नियमों का सुचारू रूप से पालन सुनिश्चित किया जा सके।

अभ्यास को लेकर क्या नए नियम हैं?

खुले में प्रैक्टिस सेशन की मनाही है। सभी ट्रेनिंग सेशन तय नेट एरिया के अंदर ही होने चाहिए।

टीमें किसी दूसरी टीम के लिए तय पिचों का इस्तेमाल नहीं कर सकतीं, भले ही उस टीम का सेशन जल्दी खत्म हो गया हो।

मैच के दिनों में किसी भी हाल में प्रैक्टिस सेशन की मंजूरी नहीं होगी।

मैच के दिनों में मैदान पर फिटनेस ड्रिल या टेस्ट करने की इजाजत नहीं है।

अभ्यास के दिनों में मैदान पर सिर्फ खिलाड़ियों और आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त स्टाफ को ही जाने की मंजूरी होगी।

परिवार के सदस्यों और दोस्तों को तय हॉस्पिटैलिटी एरिया में ही रहना होगा।

बीसीसीआई की मंजूरी के लिए फ्रेंचाइजी को नेट बॉलरों और थ्रोडाउन स्पेशलिस्टों की सूची जमा करनी होगी।

खिलाड़ियों को अभ्यास सत्र के लिए टीम बस से ही जाना होगा।

हर्षित की जगह शामिल हुआ भारत के लिए 23 विकेट लेने वाला बॉलर

फ्रेंचाइजी ने 75 लाख में किया साइन

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के शुरू होने से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी ने अपनी टीम में भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को हर्षित राणा की जगह शामिल किया। हर्षित राणा इंजरी की वजह से आईपीएल के 19वें सीजन से बाहर हो गए थे। उनके टीम से जाने के बाद अब केकेआर ने आधिकारिक रूप से उनके रिप्लेसमेंट का ऐलान कर दिया।

केकेआर में शामिल हुए नवदीप सैनी: एक तरफ नवदीप सैनी केकेआर से साथ जुड़े जबकि दूसरी तरफ गुजरात टाइटंस ने भी कुलवंत खजरोलिया को टीम में शामिल किया। गुजरात ने कुलवंत को पृथ्वीराज यात्रा की जगह टीम में जगह दी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज कुलवंत ने आईपीएल में अब तक 6 विकेट ले चुके हैं और वो इससे पहले गुजरात, केकेआर और आरसीबी के लिए खेल चुके हैं। गुजरात ने एक बार फिर से उन्हें 30 लाख रुपये में साइन किया। नवदीप के केकेआर ने 75 लाख में किया साइन- भारतीय तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को आईपीएल 2026 की मिनी नीलामी में किसी भी टीम ने नहीं खरीदा था, लेकिन अब हर्षित के जाने के बाद केकेआर ने उन्हें 75 लाख रुपये में साइन किया और वो इस टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगे। नवदीप सैनी ने अब तक आईपीएल में कुल 32 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने कुल 23 विकेट हासिल किए हैं। नवदीप का प्रदर्शन आईपीएल में अब तक कुछ खास नहीं रहा है। नवदीप ने इंटरनेशनल क्रिकेट में लिए हैं 23 विकेट- नवदीप सैनी की बात करें तो उन्होंने भारत के लिए अब तक 2 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 4 विकेट लिए थे जबकि उन्होंने भारत के लिए 8 वनडे मैच भी खेले हैं जिसमें उनके नाम पर कुल 6 विकेट दर्ज हैं। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की बात करें तो इसमें उन्होंने भारत के लिए 11 मैचों में हिस्सा लिया है।

'स्ट्राइक रेट के पीछे मत भागो'

शुभमन गिल को दिग्गज भारतीय खिलाड़ी ने दी सलाह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (ढ्ढक्क2026) में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अपने टी20 करियर में नई जान डालना चाहेंगे। पिछले साल जब गिल को भारत की टी20 टीम का उप-कप्तान बनाया गया था तो माना जा रहा था कि वह सूर्यकुमार यादव के बाद भारत के टी20 कप्तान बनेंगे, लेकिन गिल का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में नहीं चुना गया। संजू सैमसन, इशान किशन और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया और भारतीय टीम खिताब बचाने में सफल रही। ऐसे में गिल की निगाहें आईपीएल 2026 में अच्छा प्रदर्शन करके भारतीय टीम में वापसी करने पर होगी। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने गिल को स्ट्राइक रेट पर ध्यान न देने की सलाह दी। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के लिए बैटिंग करते हुए पूरा फायदा उठाना चाहिए, जहां उन्होंने सभी फॉर्मेट में रन बनाए हैं। अश्विन ने ऐश की बात पर कहा, 'अहमदाबाद में उन्हें आउट करना काफी मुश्किल है। वह कुछ हद तक डॉन जैसे हो गए हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि शुभमन गिल को चिंता करने की कोई बात नहीं है और अगर मैं उनकी जगह होता तो खुद से कहता कि क्रीज पर जाकर एक बार फिर रन बनाओ। खुद को दौड़ में बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका खूब रन बनाना है। वह गुजरात टाइटंस के लिए सबसे सफल बल्लेबाज होंगे।'

कप्तानों के साथ बैठक करेगा बीसीसीआई

इम्पैक्ट प्लेयर और गेंद बदलने के नियम से लेकर इन मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। बोर्ड की सभी 10 टीमों की कप्तानों के साथ बुधवार (25 मार्च) को मुंबई में बैठक होगी। इस बैठक में इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम के असर, गेंद बदलने और कोड ऑफ कंडक्ट जैसे मामलों पर चर्चा होगी। बीसीसीआई के साथ कप्तानों की बैठक हर आईपीएल सीजन से पहले होती है।

इस बैठक को भारत के पूर्व खिलाड़ी जवागल श्रीनाथ और अंपयार नितिन मेनन संबोधित करेंगे। श्रीनाथ मैच रेफरी और मेनन अंपायर पैनल के हेड हैं। बीसीसीआई के पादधिकारी ने पीटीआई से कहा, 'इस साल नियमों में कुछ भी नया नहीं है। कुछ कप्तान और कोच नए हैं और उन्हें नियमों के बारे में बताना जरूरी है।' जिन बातों पर चर्चा होनी है उनमें हर ओवर में दो बाउंसर, बल्ले के आकार की जांच, गेंद खो जाने या खेलने लायक न रहने पर उसे बदलना, रिटायर्ड आउट कॉल और गेंद को चमकाने के लिए थूक का इस्तेमाल शामिल हैं।

2025 में कप्तानों की बैठक में हुए थे जरूरी फैसले

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सितंबर 2022 से गेंद को चमकाने के लिए थूक के इस्तेमाल पर बैन लगा था। आईपीएल 2025 में थूक के इस्तेमाल को इजाजत दे दी गई। 2025 में कप्तानों की बैठक में कुछ जरूरी फैसले लिए गए और 10 कप्तानों से आम सहमति मिलने के बाद लार के इस्तेमाल की इजाजत देना उनमें सबसे अहम था। यह भी तय किया गया कि दूसरी गेंदबाजी करने वाली टीम को 10वें ओवर के बाद एक बार गेंद बदलने का विकल्प दिया जाएगा।

ये नियम आईपीएल 2026 में भी लागू रहेंगे

नियम के मुताबिक ओस हो या नहीं फील्डिंग कर रही टीम के कप्तान गेंद बदलने की गुजारिश कर सकता है, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपाय नई गेंदे चुनेंगे। हॉक-आई और बॉल-ट्रैकिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके ऑफ-स्टंप के बाहर की वाइड और हाई फुलटॉस को भी रिव्यू में शामिल करके डीआरएस का दायरा बढ़ाने का भी फैसला किया गया। ये सभी नियम आईपीएल 2026 एडिशन में भी लागू रहेंगे।

1-2 से पिछड़ने के बाद साउथ अफ्रीका की शानदार वापसी, न्यूजीलैंड का सपना टूटा

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका ने पांच मैचों की टी20 सीरीज के आखिरी मैच में बुधवार (25 मार्च) को न्यूजीलैंड को 33 रनों से हराकर सीरीज को 3-2 से नाम कर लिया। साउथ अफ्रीका की टीम पहला मैच जीतने के बाद लगातार दो मैच हार गई। इसके बाद उसने जबरदस्त वापसी करते हुए चौथे और पांचवें टी20 मैच को अपने नाम किया। इससे न्यूजीलैंड का सपना टूट गया। वह साउथ अफ्रीका से कभी भी एक मैच से ज्यादा की टी20 सीरीज नहीं जीत पाई है।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। कॉनर एस्टरहुइजन के अर्धशतक की मदद से साउथ अफ्रीका ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड को 154 रनों पर आउट कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए बेवोन जैकब्स ने सबसे ज्यादा 36 रन बनाए। साउथ अफ्रीका के लिए जेराल्ड कोएत्जी ने केवल 21 रन देकर 2 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की पारी

न्यूजीलैंड के लिए बेवोन जैकब्स ने 19 गेंद पर 2 चौके और 3 छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन ने 20 गेंद पर 25 रन बनाए।

कप्तान जेम्स नीशम ने 24 गेंद पर 24 रन बनाए। डेल क्लेवर में 17 गेंद पर 22 रन बनाए। निक केली ने 18 गेंद पर 14 रन बनाए। जोश क्लार्कसन ने 10 गेंद पर 13 रन बनाए। केटेन क्लार्क ने 2 और कोल मैककोन्ची ने 1 रन बनाए। जकारी फाउलक्स और काइल जेमीसन 4-4 रन बनाकर नाबाद रहे।

साउथ अफ्रीका की पारी

साउथ अफ्रीका के लिए कॉनर एस्टरहुइजन ने 33 गेंद पर 5 चौके और 6 छक्कों की मदद से 75 रन बनाए। रुबिन हरमन ने 31 गेंद पर 39 रन बनाए। वियान मुल्डर ने 29 गेंद पर 31 रन बनाए। डेन फॉरेस्टर 13 गेंद पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। टोनी डी जोर्जी ने 14 गेंद पर 12 रन बनाए। जेसन स्मिथ 1 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए बेन सीयर्स ने 2 विकेट लिए।

नगर निगम रीवा की 17वीं सामान्य सभा सम्पन्न बजट पेश, कई अहम प्रस्तावों को मिली मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर पालिक निगम रीवा की 17वीं साधारण सभा का आयोजन गुरुवार को निगम सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष (स्पीकर) व्यंकटेश पाण्डेय ने की, जबकि महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' एवं आयुक्त डॉ. सौरभ संजय सोनवणे की उपस्थिति में कार्यवाही प्रारंभ हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रभारी सदस्य वित्त एवं लेखा रवि तिवारी द्वारा परिषद के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बजट पर विस्तृत चर्चा के लिए पार्षदों द्वारा समय मांगा गया, जिस पर 30 मार्च 2026 को चर्चा की तिथि निर्धारित की गई। सभा में विभिन्न महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार करते हुए कई निर्णय लिए गए। प्रस्ताव क्रमांक-02 के तहत यातायात नगर पड़रा स्थित ट्रक यार्ड की भूमि पर ट्रांसपोर्टरों के लिए लॉजिस्टिक हब विकसित करने हेतु 30 वर्ष की लीज पर ई-ऑक्शन के माध्यम से भूमि आवंटन का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही भूमि का आरक्षित मूल्य तय करने एवं निविदा आमंत्रण को स्वीकृति दी गई। प्रस्ताव क्रमांक-03 में शहर के विभिन्न स्थानों पर बने सामुदायिक शौचालयों के संचालन एवं संधारण के लिए 30 वर्षों तक प्रति माह 15 हजार रुपये भुगतान करने तथा सार्वजनिक शौचालयों को पे एंड यूज प्रणाली से संचालित करने की मंजूरी दी गई प्रस्ताव क्रमांक-04 के अंतर्गत नवीन कोर्ट परिसर के पीछे स्थित भूमि पर दुकानों एवं अधिवक्ता चैंबर निर्माण योजना को स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं प्रस्ताव क्रमांक-05 में वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न ठेकों के प्रीमियम निर्धारण एवं निविदा प्रक्रिया की अनुमति दी गई प्रस्ताव क्रमांक-06 के तहत झिरिया मत्स्य बाजार में रिक्त दुकानों के आवंटन के लिए समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। प्रस्ताव क्रमांक-07 में नगर निगम द्वारा संचालित स्कूलों को आउटसोर्स माध्यम से संचालित करने की योजना को सर्वसम्मति से पारित किया गया इसके अलावा सामुदायिक भवनों का किराया पुनर्निर्धारण करते हुए 4500 रुपये निर्धारित किया गया तथा निर्धारित समय के बाद डीजे पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया। रानी तालाब के संचालन के लिए नई योजना को मंजूरी दी गई तथा संपत्ति कर बकायादारों को 5 प्रतिशत छूट देने का प्रस्ताव शासन को भेजने का निर्णय लिया गया बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं पार्षदों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही, जहां सभी ने शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार रखे।

सिंचाई परियोजनाओं का कार्य जून माह तक पूरा कराएं: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में जिले में सिंचाई परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि बहुती सिंचाई परियोजना, त्योंथर फ्लो सिंचाई परियोजना तथा नईगढ़ी सिंचाई परियोजना का कार्य जून माह तक पूरा कराएं। भू अर्जन के शेष प्रकरण तत्काल निराकृत कराएं। मुख्य नहर तथा डिस्ट्रीब्यूटरी नहरों का निर्माण तेजी से कराएं जिससे अगली फसल में किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिल सके बहुती सिंचाई परियोजना से रीवा जिले के गुढ़, मनगवां सिरमौर मऊगंज जिले के देवतालाब क्षेत्र तथा सतना जिले के रामपुर बघेलान तहसील के गांवों को पानी मिलेगा। कलेक्टर ने कहा कि त्योंथर फ्लो परियोजना तथा त्योंथर माइक्रो परियोजना का कार्य भी बारिश से पहले पूरा कराएं दिव्यगवां शासकीय महाविद्यालय से समन्वय बनाकर नहर का शेष बचा कार्य पूरा कराएं। नहर में यदि किसी ने अवैध रूप से कब्जा किया है तो उस पर पुलिस के सहयोग से कार्यवाही करें। लोनीबांध परियोजना तथा नईगढ़ी माइक्रो सिंचाई परियोजना का कार्य भी तेजी से पूरा कराएं। बैठक में कार्यपालन यंत्री मनोज तिवारी ने बताया कि बहुती नहर की कुल लम्बाई 56 किलोमीटर है इसमें अलग-अलग भाग में लगभग 14 किलोमीटर में निर्माण कार्य शेष है इसे 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा एक्वाडक्ट का कार्य 30 अप्रैल तक पूरा हो जाएगा। बैठक में कार्यपालन यंत्री बीपी मिश्रा ने बताया कि बीहर बराज के पास सेमरिया में तीन पम्प हाउस बनाए जा रहे हैं इनमें से दो का निर्माण कार्य पूरा हो गया है एक का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है नहर बनाने के लिए हार्डस्टेटा होने के कारण 17 गांवों में सीमित क्षमता से ब्लास्टिंग का कार्य किया गया। नहरों का निर्माण जून माह तक पूरा हो जाएगा।

जिविसप ने सीएम के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रभारी मंत्री पर लगाया अनदेखी का आरोप, 15 दिन में दौरे की मांग

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज जिले में विकास कार्यों की धीमी गति और प्रभारी मंत्री के लंबे समय से दौरे पर न आने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जिला विकास संघर्ष परिषद (जिविसप) ने मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। जिला विकास संघर्ष परिषद, मऊगंज ने गुरुवार दोपहर तीन बजे मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। इसमें प्रभारी मंत्री लखन पटेल के नियमित प्रवास और जिले में विकास कार्यों की समीक्षा कराने की मांग की गई है परिषद के संयोजक संतोष कुमार मिश्र ने बताया कि 15 अगस्त 2023 को जिले के गठन के बावजूद कई जिला स्तरीय कार्यालय अभी तक मुख्यालय में संचालित नहीं हो रहे हैं। इससे आम जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। 15 अगस्त को आए थे आखिरी बार ज्ञापन में बताया गया है कि प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने 15 अगस्त 2023 को ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल होने के बाद से जिले का दौरा नहीं किया है। इसके कारण जिला विकास समिति की बैठकें नहीं हो पा रही हैं, जिससे विकास योजनाओं की स्वीकृति और समीक्षा प्रभावित हो रही है परिषद ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि प्रभारी मंत्री का 15 दिनों के भीतर मऊगंज दौरा सुनिश्चित कराया जाए, ताकि विकास कार्यों को गति मिल सके। परिषद ने यह भी कहा है कि यदि मंत्री की जिले के विकास में रुचि नहीं है, तो किसी अन्य मंत्री को जिले का प्रभार सौंपा जाए।परिषद को उम्मीद है कि शासन इस मांग पर संवेदनशीलता दिखाते हुए जल्द ही आवश्यक कदम उठाएगा, जिससे मऊगंज जिले की विकास योजनाएं गति पकड़ सकें।

सुरक्षा से समझौता कतई बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई होगी : एमडी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) मुख्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक सुनील तिवारी ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में सुरक्षा मानकों से समझौता स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि ट्रांसमिशन कार्यों में जीरो एक्सीडेंट लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए निर्धारित सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। फील्ड में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी की सुरक्षा कंपनी की पहली जिम्मेदारी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एमडी ने अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि मेंटेनेंस अथवा अन्य कार्यों के दौरान सुरक्षा में कमी या अनदेखी के कारण हुई किसी भी दुर्घटना पर अब संबंधित फील्ड अधिकारी के साथ-साथ कार्य कराने वाले जिम्मेदार अधिकारी एवं सुपरवाइजर के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर कंपनी द्वारा प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज कराने जैसी कड़ी कार्यवाही भी की जाएगी।

जनपद प्रस्ताव 'डस्टबिन' में, अतिक्रमण बरकरार नईगढ़ी में पंचायत व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एक ओर सरकार द्वारा राजस्व महाअभियान चलाकर लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नईगढ़ी में जमीनी हकीकत इन दावों को चुनौती देती नजर आ रही है। जनपद पंचायत नईगढ़ी की भूमि पर वर्षों से चला आ रहा अतिक्रमण आज भी जस का तस बना हुआ है, जबकि इसे हटाने के लिए सामान्य सभा द्वारा प्रस्ताव पारित किया जा चुका है सूत्रों के अनुसार वर्ष 2024 से लगातार पत्राचार कर प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन स्थिति में कोई ठोस सुधार नहीं हुआ। पंचायत राज व्यवस्था के सर्वोच्च मंच मानी जाने वाली सामान्य सभा के प्रस्तावों का पालन न होना प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। जनपद पंचायत अध्यक्ष ममता कुंज बिहारी तिवारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि उन्होंने हर स्तर पर प्रयास किए, यहां तक कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा, बावजूद इसके जनपद की जमीन अतिक्रमण से मुक्त नहीं हो सकी। उन्होंने इसे सामान्य सभा की अवमानना बताते हुए कहा कि यदि निर्णय प्रभावशाली लोगों के दबाव में ही लिए जाने हैं, तो पंचायत चुनावों का औचित्य ही समाप्त हो जाता है मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 के तहत सामान्य सभा के प्रस्तावों का पालन करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। साथ ही पंचायत संपत्तियों की सुरक्षा और अतिक्रमण हटाना प्रशासन का दायित्व है। इसके बावजूद कार्रवाई न होना नियमों की अनदेखी माना जा रहा है जनप्रतिनिधियों का आरोप है कि निर्वाचित सदस्यों की बात नहीं सुनी जा रही, जबकि प्रभावशाली लोगों के दबाव में निर्णय लिए जा रहे हैं। अध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च न्यायालय का रुख करेंगी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब पंचायत अपनी ही भूमि को अतिक्रमण से मुक्त नहीं करा पा रही, तो पंचायत सशक्तिकरण के दावे कितने प्रभावी हैं।

एनडीपीएस मामले में उमाकांत तिवारी दोषमुक्त, विशेष न्यायालय का फैसला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले में विशेष न्यायालय ने आरोपी उमाकांत तिवारी निवासी सिलपरा को दोषमुक्त कर दिया है। यह निर्णय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस सुधीर सिंह ठाकुर की अदालत द्वारा सुनाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना बिछिया में पदस्थ अधिकारी बी.एल. वर्मा ने 16 नवंबर 2022 को उमाकांत तिवारी को कथित रूप से व्यावसायिक मात्रा में कोरेक्स के साथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद आरोपी और जब्त सामग्री को थाने लाकर मालखाने में जमा किया गया था। मामले में अभियोजन पक्ष ने आरोप सिद्ध करने के लिए 11 गवाहों के बयान और एफएसएल रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत की हालांकि, आरोपी की ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) एवं उनके सहयोगी अधिवक्ताओं ने गवाहों से जिरह के दौरान कई महत्वपूर्ण बिंदु उजागर किए। विशेष रूप से गवाह दिलीप बरैया और कुशलदस्त तिवारी के बयानों में विरोधाभास सामने आया। जिरह के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि सैंपल ले जाने वाला गवाह दिलीप बरैया छह दिनों तक अनुपस्थित रहा, जिससे मामले की प्रक्रिया पर संदेह उत्पन्न हुआ बचाव पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए मामले को संदिग्ध बताया। सभी तथ्यों और साक्ष्यों पर विचार करने के बाद न्यायालय ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त घोषित कर दिया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता राजीव सिंह परिहार (शेरा सिंह) के साथ गिरीश पटेल, साक्षी सिंह बघेल, सुरेश विश्वकर्मा एवं रामदल रावत ने पैरवी की।

फायरिंग करने वाला साधु पकड़ाया, शोभा यात्रा में वीडियो ग्राफर को लगी थी गोली; 6 गनमैन के साथ पहुंचा था आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में कलश यात्रा के दौरान फायरिंग के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। आरोपी साधु माधवेंद्र भदौरिया ने आखिरकार पुलिस दबाव के बीच सरेंडर कर दिया घटना के बाद से पुलिस उसकी तलाश में लगातार जगह-जगह दबिश दे रही थी, जिससे उस पर दबाव बढ़ता जा रहा था। गुरुवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आरोपी ने घटना में प्रयुक्त रिवाल्वर भी पुलिस को सौंपी है। गौरतलब है कि यह मामला समान थाना क्षेत्र के गुलाब नगर का है जहां 19 मार्च को चैत्र नवरात्र के दौरान कलश यात्रा निकाली जा रही थी। इसी दौरान भगवा कपड़े पहने एक तथाकथित साधु, जो काला चश्मा और सफेद पगड़ी में नजर आया अपने साथियों के साथ मौजूद था उसके साथ सफारी सूट पहने चार से अधिक गनमैन भी चल रहे थे यात्रा के दौरान एक गनमैन ने साधु को बंदूक लोड कर के दी, जिसके बाद साधु ने हवा में फायरिंग शुरू कर दी। व्यक्ति के पैर में जाकर लगी थी गोली बताया जा रहा है कि इस दौरान साधु ने कई राउंड फायर किए जिनमें से एक गोली वीडियो शूट कर रहे पवन सेन के पैर में जा लगी। घायल को तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना का वीडियो सामने आया था, जिसमें आरोपी और उसके साथी साफ तौर पर नजर आ रहे थे घटना के बाद पुलिस ने कैमरा और मेमोरी कार्ड जब्त कर लिया था लेकिन शुरुआती कार्रवाई को लेकर सवाल भी उठे थे क्योंकि आरोपी की पहचान स्पष्ट होने के बावजूद अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी वहीं आरोपी के कई प्रभावशाली लोगों के साथ फोटो भी सामने आए थे, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया फिलहाल आरोपी के सरेंडर के बाद पुलिस आगे की पूछताछ और कानूनी कार्रवाई में जुट गई है। इस पूरे घटनाक्रम ने सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। बाउंसर ने गन दी...साधु ने कैमरामैन को मार दी गोली रीवा में कलश यात्रा के दौरान शूटिंग कर रहे कैमरामैन को गोली लगने का वीडियो सामने आया है। चौंकाने वाली बात यह है कि वीडियो में गोली चलाने वाले साधु माधवेंद्र भदौरिया और उसके साथियों का चेहरा साफ नजर आ रहा है, लेकिन घटना के चार दिन बाद भी पुलिस ने उसे गिरफ्तार करना तो दूर, बल्कि अज्ञात पर एफआईआर दर्ज की है।

एक ही रात में 4 घरों में चोरी, बैकुंठपुर पुलिस की गश्त पर उठे बड़े सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के थाना बैकुंठपुर क्षेत्र अंतर्गत फूल गांव में 25 मार्च की रात्रि अज्ञात चोरों ने एक ही रात्रि में कई घरों को निशाना बनाकर लूटपाट की घटना देर रात्रि लगभग 3 बजे की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फूल गांव निवासी अतुल पाण्डेय पिता रामनरेश पाण्डेय के घर में चोरों ने सेंध लगाकर लगभग 38,050 नगद चोरी कर लिए। इसके अलावा रमाकांत पांडेय (पिता रघुनाथ प्रसाद पांडेय) और भीम वर्मा (पिता छोटा वर्मा) के घर सहित अन्य घरों में भी चोरों ने चोरी के वारदात को अंजाम दिया है वही भीम वर्मा की पेटी खेत में लावारिस हालत में खुली हुई मिली ग्रामीणों के अनुसार, चोरों ने घरों के दरवाजों की कुंडी बाहर से बंद कर दी, जिससे लोग अंदर ही फंसे रहे और इसके बाद सेंध लगाकर चोरी की गई पीड़ित द्वारा इस घटना की रिपोर्ट थाना बैकुंठपुर में दर्ज करा दी गई है घटना के बाद पूरे गांव में भय और असुरक्षा का माहौल है ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त न होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं ग्रामीणों की मांग है कि जल्द से जल्द चोरों को पकड़ा जाए, चोरी गई रकम की बरामदगी की जाए और क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए।

पेट्रोल-डीजल की अफवाह के बाद पंपों पर भीड़ संचालकों को एडवांस पेमेंट पर ही मिल रहा ईंधन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में ईरान-इजराइल युद्ध के बीच पेट्रोल-डीजल खत्म होने की अफवाह फैलने से गुरुवार सुबह 5 बजे से ही शहर के पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ लग गई है और लोग घबराहट में जरूरत से ज्यादा ईंधन भरवा रहे हैं। हालात को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई पेट्रोल पंपों पर पुलिस बल तैनात कर दिया है। इधर, कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्पष्ट किया है कि जिले में ईंधन का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन पेट्रोल पंप संचालकों को अब क्रेडिट की बजाय एडवांस भुगतान करने पर ही सप्लाई दी जा रही है। प्रशासन ने अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी देते हुए आमजन से सहयोग की अपील की है। सुबह 5 बजे से लगी कतारें, घबराहट में अनावश्यक भंडारण ईरान-इजराइल युद्ध की खबरों के बीच ईंधन खत्म होने की अफवाहों ने लोगों में दहशत फैला दी है इसके चलते गुरुवार सुबह 5 बजे से ही शहर के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं लोग घबराहट में जरूरत से ज्यादा पेट्रोल-डीजल भरवाने के लिए उमड़ रहे हैं इससे पहले बुधवार को भी स्थिति बेहद खराब रही थी, जहां कई पंपों पर लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा था कलेक्टर की अपील-अफवाहों पर ध्यान न दें, स्टॉक पर्याप्त स्थिति को देखते हुए रीवा कलेक्टर प्रतिभा पाल ने स्पष्ट किया है कि जिले में पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है।

एनडीपीएस केस में सेटिंग का खुलासा! आईजी गौरव राजपूत का सख्त एक्शन किसी भी दिन गिर सकती है बड़ी गाज

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। एनडीपीएस एक्ट से जुड़े चर्चित मामले ने अब सनसनीखेज मोड़ ले लिया है। रीवा रेंज के आईजी गौरव राजपूत ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जांच की रफ्तार तेज कर दी है। सूत्रों के अनुसार पुलिस महकमे में अंदरखाने हलचल तेज है और किसी भी समय बड़ी कार्रवाई हो सकती है। इस पूरे मामले ने न सिर्फ विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं बल्कि कानून व्यवस्था की विश्वसनीयता पर भी गहरा असर डाला है। मामला सतना जिले के कोटर थाना क्षेत्र के अबेर गांव से जुड़ा है जहां से दो आरोपियों अभिषेक और अमित कोएनडीपीएस एक्ट के तहत हिरासत में लिया गया था। लेकिन घटनाक्रम ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया जब इन दोनों आरोपियों को सेमरिया थाने लाने के बाद नियमानुसार कार्रवाई करने के बजाय करीब 6 घंटे तक सेमरिया में ही बैठाकर रखा गया और बाद में संदिग्ध परिस्थितियों में छोड़ दिया गया। सूत्र बताते हैं कि सेमरिया थाना प्रभारी के मौखिक निर्देश पर एएसआई और पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को पकड़कर सेमरिया लाया था। लेकिन थाने में वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बजाय उन्हें सीधे निरीक्षक के निजी निवास में बैठा दिया गया। इस दौरान थाना प्रभारी जो उस समय रीवा में निजी कार्य से मौजूद थे लगातार फोन के जरिए निर्देश देते रहे। सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह है कि आरोपियों को थाने ना लेजाकर उन्हें सीधे निरीक्षक के सेमरिया स्थित निजी निवास ले जाया गया। वहीं बैठाकर पूरे मामले पर चर्चा और निर्णय होने की बात सामने आ रही है। इसके बाद देर शाम अचानक दोनों आरोपियों को छोड़ दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने पुलिस विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जांच एजेंसियों ने अब इस निजी निवास कनेक्शन को भी अपने दायरे में शामिल कर लिया है। हालांकि इस बात की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है लेकिन सूत्रों का दावा है कि इस एंगल की गहन जांच की जा रही है। अगर यह तथ्य सही साबित होता है तो यह मामला और भी गंभीर रूप ले सकता है। आईजी गौरव राजपूत ने इस पूरे प्रकरण पर सख्त रुख अपनाते हुए साफ कहा है कि उनके विशेष अभियान में किसी भी प्रकार की लापरवाही या लीपापोती बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि दोषी चाहे कोई भी हो उसे किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और ऐसी कार्रवाई की जाएगी जो भविष्य के लिए नजीर बनेगी। आईजी के इस सख्त बयान के बाद से ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। संबंधित थाना प्रभारी और अन्य पुलिसकर्मी अब बचाव की कोशिशों में जुटे नजर आ रहे हैं और लगातार वरिष्ठ अधिकारियों के संपर्क में हैं। लेकिन जानकारों का मानना है कि इस बार मामला बेहद गंभीर है और कार्रवाई से बचना मुश्किल है इस घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है उनका कहना है कि एनडीपीएस एक्ट जैसे सख्त कानून में यदि इस तरह की लापरवाही या सेटिंग सामने आती है तो यह कानून के डर को कमजोर करता है और अपराधियों का मनोबल बढ़ाता है। फिलहाल पूरे मामले की जांच अंतिम चरण में है और रिपोर्ट किसी भी समय सामने आ सकती है अब सबकी नजर इस बात पर टिकी है कि आईजी का अगला कदम कितना बड़ा और कितना सख्त होगा। यह मामला अब केवल दो आरोपियों की रिहाई तक सीमित नहीं रह गया बल्कि यह पूरे सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही की असली परीक्षा बन चुका है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म.प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।